नवसर्जन संस्कृति

RNI No. GJHIN/25/A2786
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 017
दि. 17.10.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : JIGNESHKUMAR PETHABHAI VAGHELA Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

गुजरात में सियासी हलचल: CM भूपेंद्र पटेल को छोड़कर सभी मंत्रियों ने दिया इस्तीफा, आज नए मंत्रियों का शपथग्रहण

(जीएनएस)। गुजरात की राजनीति में शुक्रवार को एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले मौजूदा मंत्रिमंडल के सभी मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। यह कदम नए मंत्रिपरिषद के गठन और कैबिनेट विस्तार का मार्ग प्रशस्त करता है। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को नए मंत्रिमंडल का शपथग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री देर रात राज्यपाल को हटाए जाने वाले मंत्रियों के इस्तीफे सौंपेंगे और नए मंत्रियों की सूची भी सौंपी जाएगी।

जानकारों के अनुसार, कैबिनेट विस्तार में राज्य को लगभग 10 नए मंत्री मिल सकते हैं और मौजूदा मंत्रियों में से आधे को बदला जा सकता है। गुजरात की वर्तमान कैबिनेट में मुख्यमंत्री समेत कुल 17 मंत्री हैं, जिनमें 8 कैबिनेट मंत्री और 8 राज्य मंत्री शामिल हैं। विधानसभा की कुल 182 सीटों में, सदन का 15 प्रतिशत यानी 27 सदस्य ही मंत्री पद संभाल सकते हैं। इस व्यापक फेरबदल में सामाजिक और जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखते हुए नए मंत्रियों का चयन किया जाएगा।

सूत्रों की मानें तो नए मंत्रिमंडल में कई युवा और अनुभवी चेहरों को जगह मिल सकती है। इसमें रिवाबा जडेजा, अर्जुन मोडवाडिया, जीतू वाघानी और हर्ष सांघवी के नाम शामिल हैं। इसके अलावा कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए 3-4 विधायकों को भी मंत्री पद मिल सकता है। ज्यादातर नए मंत्री भाजपा के मूल नेताओं में से होंगे। इस कैबिनेट विस्तार का उद्देश्य केवल वर्तमान कार्यकाल में प्रशासनिक संतुलन बनाए रखना नहीं बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव 2027 के लिए राजनीतिक रणनीति तैयार करना भी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह फेरबदल सरकार के लिए चुनावी तैयारियों का संकेत है। नए मंत्रिपरिषद में युवा नेताओं को शामिल करने से पार्टी की ऊर्जा और जनसंपर्क क्षमता बढ़ेगी, वहीं अनुभवी नेताओं की मौजूदगी से नीति निर्धारण और प्रशासनिक कार्य में स्थिरता बनी रहेगी। गुजरात में यह पहला बड़ा कैबिनेट फेरबदल 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद हो रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अगुवाई में नए मंत्रिपरिषद में युवा और अनुभवी नेताओं के संतुलित मिश्रण की उम्मीद की जा रही है। मंत्रिपरिषद का यह विस्तार भाजपा के लिए आगामी चुनाव में रणनीतिक मजबूती प्रदान करेगा और समाज के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ मजबूत करने में सहायक होगा। आज सुबह साढ़े 11 बजे आयोजित शपथग्रहण समारोह में नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी, जिससे गुजरात में सियासी परिदृश्य में नया अध्याय जुड़ जाएगा।

इस फेरबदल के बाद न केवल राज्य की राजनीति में नई ऊर्जा आएगी बल्कि जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह भी बढ़ेगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह बदलाव चुनावी दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, क्योंकि नए मंत्रियों की नियुक्ति से भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में हर क्षेत्र और वर्ग को अपने पक्ष में करने की रणनीति को मजबूत कर सकेगी। ऐसे में गुजरात के राजनीतिक परिदृश्य में आज का दिन निश्चित रूप से ऐतिहासिक साबित होगा।

बिहार विधानसभा चुनाव: BJP ने चुनाव प्रचार की मेगा तैयारी की पीएम मोदी के 10 कार्यक्रम तय, अमित शाह पटना में सक्रिय

(जीएनएस)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने प्रचार अभियान की पूरी तैयारी कर ली है। पार्टी ने गुरुवार को बिहार में चुनाव प्रचार के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा पांच राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे के लिए 10 कार्यक्रम तय किए गए हैं, जबकि अमित शाह पटना में चुनावी गतिविधियों में व्यस्त हैं। गुरुवार को पटना पहुंचने के बाद अमित शाह ने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। आज दोपहर 3.30 बजे वह गांधी मैदान के ज्ञान भवन में प्रबुद्धजन सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में भाषण देंगे। उन्होंने कहा कि एनडीए के सहयोगी दल बिहार में जनता दल यूनाइटेड (JDU) की अध्यक्षता में चुनाव लड़ेंगे और चुनाव के बाद अगली सरकार का नेतृत्व निर्वाचित विधायकों द्वारा तय होगा। अमित शाह ने नीतीश कुमार की सराहना करते हुए उन्हें बड़ा समाजवादी नेता करार दिया और कहा कि उनका राजनीतिक सफर हमेशा कांग्रेस विरोधी रहा है।

बीजेपी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे के लिए 10 कार्यक्रम तय किए गए हैं, हालांकि उनका विस्तार अभी

सार्वजनिक नहीं किया गया है। पार्टी का लक्ष्य आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत सुनिश्चित करना है और इसके लिए स्टार प्रचारकों के माध्यम से व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा।

चुनाव प्रक्रिया में भी तेजी दिखाई दे रही है। बिहार विधानसभा के 243 सीटों के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण की नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार को खत्म हो रही है, जिसके बाद राजनीतिक रैलियों और जनसभाओं का सिलसिला और तेज हो जाएगा। पहला चरण 6 नवंबर और दूसरा चरण 11 नवंबर को आयोजित होगा, जबकि वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि बीजेपी का मेगा प्रचार अभियान पार्टी को ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में मजबूत पकड़ बनाने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री और अमित शाह के कार्यक्रमों के अलावा राज्य और राष्ट्रीय नेताओं की सक्रिय भागीदारी चुनावी माहौल को गरमाएगी। यह अभियान न केवल बीजेपी की चुनावी रणनीति का हिस्सा है, बल्कि पार्टी की नीतियों और विकास कार्यों को जनता के सामने प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का भी अवसर है। बिहार में पहले चरण की नामांकन प्रक्रिया पूरी होते ही चुनाव प्रचार की तीव्रता बढ़ जाएगी। राजनीतिक हलचल, जनसभाएं, रैलियां और स्टार प्रचारकों की भागीदारी इस बार चुनाव को बेहद प्रतिस्पर्धात्मक और रोचक बनाएगी। पीएम मोदी और अमित शाह की सक्रियता से बीजेपी की चुनावी तैयारियों को एक नया आयाम मिला है, जिससे पार्टी को जनता के बीच अपनी पैठ मजबूत करने का अवसर मिलेगा।

कोचीन शिपयार्ड में तीन अत्याधुनिक पोतों का भव्य लॉन्च, भारतीय नौसेना और वाणिज्यिक क्षेत्र में नई क्रांति

(जीएनएस)। कोच्चि। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने शनिवार को भारतीय नौसेना और वाणिज्यिक समुद्री क्षेत्र के लिए तीन अत्याधुनिक पोतों के लॉन्च की घोषणा की है, जो तकनीकी उन्नति और भारतीय इंजीनियरिंग क्षमता का शानदार उदाहरण साबित होंगे। इस अवसर पर भारतीय नौसेना के पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले जल पोत (एएसडब्ल्यू सीएसडब्ल्यूसी) का जलावतरण किया जाएगा, जो नौसेना की सुरक्षा और रणनीतिक क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

इसके अलावा, दो अन्य प्रमुख पोतों का शुभारंभ किया जाएगा, जिनमें हाइब्रिड इलेक्ट्रिक मेथनॉल-रेडी कमीशनिंग सर्विस ऑपरेशन वेसल (CSOV) शामिल है, जो समुद्री सर्विसिंग और ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका को दर्शाता है। तीसरा पोत, भारत का सबसे बड़ा ट्रेलर सक्शन हॉपर ड्रेजर, डीसीआई ड्रेज गोदावरी, वाणिज्यिक और अवसंरचनात्मक परियोजनाओं में समुद्री ढुलाई और जलमार्ग संवर्द्धन के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने इस ट्रिपल लॉन्च को नौसैनिक, वाणिज्यिक और ग्रीन मरीटाइम क्षेत्रों में अपनी नेतृत्व क्षमता के प्रदर्शन के रूप में देखा है।

छत्तीसगढ़: भूपति के बाद 140 से ज्यादा नक्सली करेंगे आत्मसमर्पण, लाल आतंक हुआ कमजोर

(जीएनएस)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे व्यापक आत्मसमर्पण अभियान में नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। एक करोड़ के ईनामी और कुख्यात नक्सली भूपति के सरेंडर के बाद अब उसकी गैंग के 140 से अधिक नक्सली भी शुक्रवार को आत्मसमर्पण करेंगे। ये नक्सली बीजापुर जिले से जगदलपुर लाए जा रहे हैं और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मौजूदगी में आत्मसमर्पण करेंगे। इसे अब तक देश में सबसे बड़ा नक्सली आत्मसमर्पण माना जा रहा है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में दंडाकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (DKSZC) के प्रवक्ता रूपेश का नाम भी शामिल है। रूपेश नक्सली संगठनों की रणनीति तैयार करने और फरमान जारी करने में अहम भूमिका निभाता रहा है। भूपति समूह के 140 से अधिक नक्सली इस बार हथियारों के साथ सरेंडर करने जा रहे हैं।

बीजापुर पुलिस और सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के पास नक्सलियों ने आत्मसमर्पण का प्रस्ताव भेजा था, जिसे मंजूरी मिल

गई। इन नक्सलियों को इंद्रावती नदी के उस पार उसपरी घाट पर एकत्रित किया गया है। सभी सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में चाक चौबंद व्यवस्था की है। CRPF, कोबरा, DRG और अन्य सुरक्षा दलों को बीजापुर से जगदलपुर तक के मार्ग पर तैनात किया गया है, ताकि नक्सलियों के सुरक्षित और सुव्यवस्थित आत्मसमर्पण को सुनिश्चित किया जा सके।

जगदलपुर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नक्सलियों का स्वागत करेंगे। आत्मसमर्पण में 100 से अधिक हथियारों के साथ नक्सली शामिल होंगे। यह कार्यक्रम न केवल प्रशासन के लिए, बल्कि छत्तीसगढ़ में लाल आतंक के खात्मे के लिहाज से भी ऐतिहासिक माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भूपति और उसके साथियों के आत्मसमर्पण से नक्सली संगठनात्मक रूप से कमजोर हो जाएगा। महाराष्ट्र, अंतागढ़ और सुकमा में हुए अभियान के बाद अब बीजापुर में भी लाल आतंक का सफाया हो रहा है। जो बचे खुचे बाहरी नक्सली हैं, उनके पास या तो अपने प्रदेशों की ओर लौटने, आत्मसमर्पण करने या सुरक्षा बलों से मुठभेड़ होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। इस बड़े आत्मसमर्पण के बाद छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की ताकत में गंभीर कमी आएगी। यह राज्य की सुरक्षा और विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत है। सुरक्षा बलों की सख्त निगरानी और सक्रिय रणनीति के चलते अब लाल आतंक का सफाया तेजी से हो रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में सुरक्षा और स्थिरता की भावना मजबूत होगी। यह आत्मसमर्पण अभियान केवल हथियारों के परित्याग तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य में लंबे समय से फैली हिंसा और आतंक की जड़ें उखाड़ने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर हिंसक झड़पें, 48 घंटे का युद्धविराम लागू, दर्जनों की मौत

(जीएनएस)। इस्लामाबाद/काबुल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा पर मंगलवार रात फिर से झड़पों की खबरें आईं, जिसमें सैनिकों और नागरिकों की जानें गईं। दोनों देशों ने 48 घंटे का युद्धविराम लागू करने पर सहमति जताई है, जिसे दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के अनुरोध पर मंजूर किया।

सूत्रों के अनुसार, सीमावर्ती इलाकों में हुई हिंसा के कुछ ही घंटों के भीतर पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के काबुल और कंधार प्रांत में हवाई हमले किए। पाकिस्तान की सेना का कहना है कि दक्षिणी कंधार के स्पिन बोल्डक क्षेत्र और उत्तर-पश्चिमी सीमा पर तालिबान के दो बड़े हमलों को नाकाम किया गया, जिसमें लगभग 20 तालिबानियों की मौत हुई। वहीं, उत्तर-पश्चिमी सीमा पर हुई रातभर की झड़पों में लगभग 30 और लोग मारे गए।

अफगान अधिकारियों ने बताया कि इस नई हिंसा में 15 नागरिकों की मौत हुई और दर्जनों घायल हुए। पाकिस्तान के ओरकजई जिले में छह अर्धसैनिक जवानों की भी जानें गईं और कई घायल हुए। तालिबान प्रवक्ता ज़बिहुल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तानी बलों पर हल्के और भारी हथियारों से हमले करने का आरोप लगाया।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह झड़प पिछले सप्ताहांत की घटनाओं का प्रत्यक्ष असर है, जब अफगानिस्तान ने काबुल में हमलों के जवाब में पाकिस्तान पर हमला किया था। पाकिस्तान ने उत्तर-पश्चिमी कुर्रम क्षेत्र में "अकारण" फायरिंग का जवाब देते हुए कई तालिबानियों को मार गिराया और उनके ठिकानों तथा एक टैंक को नष्ट किया। अफगान सेना ने भी इस जवाबी कार्रवाई में कई पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और हथियार व टैंक जब्त किए।

स्थानीय प्रवक्ता अली मोहम्मद हक़मल ने बताया कि स्पिन बोल्डक क्षेत्र में मोर्टार हमलों में 15 नागरिक मारे गए और 80 से अधिक महिलाएं और बच्चे घायल हुए। कतर और सऊदी अरब की मध्यस्थता के बाद कुछ तनाव कम हुआ है, लेकिन सीमा पर स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है और नागरिक सुरक्षा चुनौतीपूर्ण है।

विशेषज्ञों का कहना है कि सीमावर्ती हिंसा का सबसे बड़ा खामियाजा हमेशा आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। दोनों देशों की सरकारों को युद्धविराम के दौरान भी सतर्कता बरतनी होगी और नागरिक सुरक्षा के लिए तत्काल उपाय करने होंगे। यह तनावपूर्ण हालात पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर लंबे समय तक सुरक्षा और राजनीतिक स्थिरता के लिए चुनौती बने हुए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण "बहुत खराब" स्तर पर, GRAP स्टेज-1 लागू, नागरिकों को सतर्क रहने की चेतावनी

(जीएनएस)। नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता लगातार बिगड़ती जा रही है और राजधानी के कई हिस्सों में हवा का स्तर "बहुत खराब" श्रेणी में पहुंच गया है। बुधवार को पांच प्रमुख मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 300 से ऊपर दर्ज किया गया। सबसे अधिक प्रदूषण आनंद विहार में 345 AQI के साथ मापा गया, जबकि DU नॉर्थ कैंपस और CRRI मथुरा रोड पर 307, द्वारका सेक्टर 8 में 314 और वजीरपुर में 325 AQI दर्ज हुआ। राजधानी में कुल 40 मॉनिटरिंग स्टेशन हैं, जिनमें से 38 का डेटा उपलब्ध हुआ।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार, AQI को विभिन्न श्रेणियों में बांटा गया है। 0-50 "अच्छा", 51-100 "संतोषजनक", 101-200 "मध्यम", 201-300 "खराब", 301-400 "बहुत खराब" और 401-500 "गंभीर" श्रेणी में रखा गया है। बुधवार को राजधानी के 20 स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता "खराब" श्रेणी में रही, जबकि 13 स्टेशनों पर यह "मध्यम" श्रेणी में दर्ज की गई।

वायु गुणवत्ता बिगड़ने के बाद कमिशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (CAQM) ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) का स्टेज-1 लागू कर दिया है। यह चरण तब लागू होता है जब AQI 200 से 300 के बीच हो और इसके तहत एनसीआर में सभी संबंधित एजेंसियों द्वारा 27 तरह के निवारक उपाय किए जाने हैं। इन उपायों में एंटी-स्मॉग गन का इस्तेमाल, सड़कों पर पानी का छिड़काव, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण, मरम्मत परियोजनाओं में विशेष सतर्कता और वाहनों की नियमित निगरानी शामिल हैं।

CAQM के आदेश में उल्लेख किया गया है कि 14 अक्टूबर, 2025 को दिल्ली का AQI 211 दर्ज किया गया, जो "खराब" श्रेणी में आता है। मौसम विभाग और आईआईटीएम के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में भी वायु गुणवत्ता "खराब" बनी रहने की संभावना है। इस पर निर्णय लेते हुए उप-समिति ने GRAP स्टेज-1 के सभी उपाय तत्काल प्रभाव से लागू करने का आदेश दिया।

विशेषज्ञों के अनुसार, इस समय हवा में प्रदूषक पदार्थों की मात्रा अधिक होने के कारण बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन संबंधी रोगों से पीड़ित लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा के उपाय अपनाने की सख्त आवश्यकता है। नागरिकों को सलाह दी जा रही है कि वे बाहर निकलते समय मास्क पहनें, भारी शारीरिक गतिविधि से बचें और प्रदूषणग्रस्त क्षेत्रों में समय कम से कम बिताएं।

वायु प्रदूषण की यह गंभीर स्थिति दिल्ली-एनसीआर में स्वास्थ्य और जीवन की सुरक्षा के लिए चुनौती बन रही है। इसके अलावा, प्रदूषण पर नियंत्रण के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करना और नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना इस संकट से निपटने के लिए अत्यंत आवश्यक माना जा रहा है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

संपादकीय

आवश्यक सुधारों से ही आर्थिकी को गति

जिस अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ पर पश्चिमी शक्तियों के मंसूबों के अनुरूप सुर में सुर मिलाने का आक्षेप लगता रहा है, यदि वह अब भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर दर्शाए तो इसे हम अपनी आर्थिकी की ताकत के रूप में देख सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आईएमएफ ने वर्ष 2025-26 के लिये भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 कर दिया है। इस नवीनतम अपडेट से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में देश की स्थिति और मजबूत हुई है। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह संशोधन लचीली घरेलू खपत, मजबूत सेवा निर्यात और स्थिर सार्वजनिक निवेश के दृष्टिगत किया है। यह सुखद ही कहा जाएगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने और भारी-भरकम टैरिफ का कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर दृष्टिगोचर नहीं होता है। लेकिन इस आशावाद के बावजूद हमें अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य की वास्तविकता का भी ध्यान रखना चाहिए। जिसके मूल में तमाम व्यापारिक व्यवधान, अमेरिकी टैरिफ वृद्धि और सख्त वित्तीय स्थितियों जैसे घटक भी शामिल हो सकते हैं। जो प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से कहीं न कहीं भारत की आर्थिक गति को प्रभावित कर सकते हैं। निर्विवाद रूप से भारत की अर्थव्यवस्था में आईएमएफ का भरोसा, मजबूत भारतीय घरेलू बाजार, राजकोषीय अनुशासन और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि के उद्देश्य से किए गए सुधारात्मक उपायों के चलते जगा है। वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे पर खर्च, डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहन और बेहतर कर संग्रह ने व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत ही किया है। हालांकि निर्यात, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र, संरक्षणवादी नीतियों और कमजोर वैश्विक मांग के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर चीन की मंदी और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्संतुलन के साथ, भारत के सामने चुनौती और अवसर दोनों ही मौजूद हैं। ऐसे में भारत के लिए जरूरी है कि वह वैश्विक व्यापार में संतुलन बनाते हुए आत्मनिर्भरता की राह में कदम आगे बढ़ाए। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि केंद्र सरकार ने अर्थव्यवस्था की मौजूदा चुनौती को महसूस करते हुए 'मेक इन इंडिया' की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास एक आंदोलन के रूप में किया है। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत विनिर्माण पर खासा जोर दिया जा रहा है। इसमें केंद्र सरकार की प्राथमिकता इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, सेमीकंडक्टर और हरित प्रौद्योगिकियों के लिये लक्षित प्रोत्साहनों को बढ़ावा देना है। निस्संदेह ये प्रयास कालांतर देश के औद्योगिक आधार को व्यापक रूप से मजबूत बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं। लेकिन सरकार को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि हम अल्पकालिक लक्ष्यों के बजाय दीर्घकालीन जरूरतों को अपनी प्राथमिकता बनाएं। इसके लिये जरूरी है कि श्रम बाजार, भूमि अधिग्रहण में सुधार और व्यापार में कामकाज को आसानी को बढ़ावा दें। निस्संदेह, इन क्षेत्रों में गहन संरचनात्मक सुधारों की सख्त आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की भी होनी चाहिए। महंगाई के बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति प्रभावित होती है, जिससे मांग व पूर्ति का संतुलन बिगड़ता है। वहीं दूसरी ओर कृषि उत्पादकता और रोजगार सृजन को भी नीतिगत एजेंडे के केंद्र में रखना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि आज भारत की आर्थिक सफलता की कहानी हमारे सतर्क आत्मविश्वास की परिणति है। देश की घरेलू अर्थव्यवस्था के लचीलेपन ने इसे कई बाहरी झटकों से बचाया है। लेकिन वहीं दूसरी ओर हमारी आत्मसंतुष्टि इस लाभ को कम सकती है। इसके अलावा दीर्घकालिक स्थिरता के लिये, भारत सरकार को राजकोषीय विवेक बनाए रखना होगा। वहीं दूसरी तरफ मानव पूंजी, उत्पादकता और नवाचार में निवेश को बढ़ाना होगा। निस्संदेह, हमारा विकास तभी सार्थक होगा जब वह समावेशी हो। वह देश के लाखों गरीब लोगों को ऊपर उठाने में सक्षम हो, न कि केवल सिर्फ सांख्यिकीय संकेतकों को बढ़ावा देने वाला हो। हमारी आर्थिक यात्रा में निरंतर स्थिरता बनी रहे, इसके लिये देश को आर्थिक सुधार की राह चुननी होगी ।

पटाखों पर राजनीति के बजाय तार्किक समाधान निकालें

> दिल्ली में दिवाली आते ही वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता है। पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद बिक्री जारी है, जिससे आस्था, प्रशासन और पर्यावरण के बीच टकराव गहराता जा रहा है।

बीते दशक से दिल्ली में दिवाली के आसपास प्रदूषण की स्थिति खतरनाक हो जाती है और कोर्ट का मानना है कि पटाखों से प्रदूषण और अधिक बढ़ जाता है। लेकिन इस प्रकरण की अहम बात यह है कि पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद बिक्री में कोई कमी नहीं आती, क्योंकि प्रशासन की नाक के नीचे दुकानदार धड़ल्ले से पटाखे बेचते हैं और लोग जमकर खरीदते भी हैं।

बीते 7 अक्तूबर को दिल्ली सरकार ने कहा था कि वह सुप्रीम कोर्ट जाएगी और ग्रीन पटाखों की अनुमति लेगी। वर्ष 2019 से दिल्ली में सभी पटाखों पर बैन है और मुख्यमंत्री ने जनभावना को देखते हुए सीमित ग्रीन पटाखे चलाने की इजाजत मांगी थी। दिल्ली सरकार ने कहा है कि अगर सुप्रीम कोर्ट पटाखों से प्रतिबंध हटाता है तो वह ऐसे सभी कदम उठाने को तैयार है, जिनसे निर्देशों का पूरी तरह पालन हो सके।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि अगर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध हटा लिया जाता है तो हम अदालत के आदेश के आलोक में आवश्यक कदम उठाने के लिए तुरंत एक बैठक करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि आदेश का पालन हो। सरकार जिन पटाखों की पैरवी कर रही है, उनके विषय में यह बताया जाता है कि ग्रीन पटाखों से सामान्य पटाखों की तुलना में 30 प्रतिशत कम प्रदूषण होता है। लेकिन कई वर्षों से पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार न तो इसके लिए कोई ठोस काम कर पाई थी और न ही जागरूकता फैला पाई थी। इस बार बारी भारतीय जनता पार्टी की है, जिसे इस कसौटी पर खरा उतरना बाकी है।

आम आदमी पार्टी के समय में बीजेपी के कई बड़े नेता इस मामले को लेकर केजरीवाल को घेरते थे और कहते थे कि पटाखों पर बैन लगाना हिंदुत्व पर प्रहार है, हालांकि आदेश हर बार कोर्ट का ही होता था और अब भी कोर्ट का ही है। अब यह देखना बाकी है कि दिल्ली सरकार कितनी सक्रियता दिखाती है और किस तरह का समाधान निकालती है।

दरअसल, हम प्रदूषण को लेकर आज तक यह तय नहीं कर पाए हैं कि इसकी असली वजह क्या है। इस मामले को लेकर विशेषज्ञों की अलग-अलग राय है। कुछ कहते हैं कि सर्दियों के मौसम में प्रदूषण अपने आप बढ़ जाता है। बीते लगभग दो दशकों में दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने का सबसे बड़ा कारण यह रहा कि दिल्ली से सटे हर कोने में जितनी हरियाली थी, वहां अब बड़ी-बड़ी इमारतें बन चुकी हैं। जैसे गाजियाबाद से सटे राज नगर में लाखों फ्लैट बन चुके हैं। दूसरी ओर गुरुग्राम में जितनी हरियाली थी, आज वहां एक-एक इंच जमीन किसानों ने बेच दी और वहां भी लाखों फ्लैट बन चुके हैं। बल्कि एशिया के सबसे महंगे फ्लैट वहां बिकने लगे हैं।

वहीं तीसरी ओर लोनी बॉर्डर और चौथी ओर फरीदाबाद में भी यही स्थिति है। इसके अलावा विशेषज्ञों का मानना है कि पराली जलाना भी प्रदूषण का एक बड़ा कारण है, क्योंकि इससे हवा में हानिकारक गैसें और कण फैलते हैं, जैसे मीथेन, कार्बन मोनोऑक्साइड और पार्टिकुलेट मैटर। यह धुंध का निर्माण करता है, जो शहर की वायु गुणवत्ता को खराब करता है। पराली जलाने के कारण सर्दियों के महीनों में प्रदूषण का स्तर विशेष रूप से गंभीर हो जाता है, क्योंकि धीमी हवाएं इन प्रदूषकों को शहर के ऊपर फंसा देती हैं।

दिल्ली-एनसीआर में हर रोज सैकड़ों नए वाहन खरीदे जाते हैं, अर्थात राजधानी में अपनी क्षमता से अधिक वाहन हो चुके हैं, जो प्रदूषण बढ़ने का एक और बड़ा कारण है। पटाखों को लेकर कोर्ट की सबसे जटिल समस्या यह है कि दीपावली सर्दी के मौसम में आती है, जब दिल्ली में प्रदूषण पहले से ही बहुत अधिक होता है। कोर्ट का मानना है कि पटाखे जलाने से प्रदूषण और भी बढ़ जाता है। लेकिन प्रतिबंध के बावजूद पटाखों की बिक्री और खरीद में कोई कमी देखने को नहीं मिलती।

पटाखों पर प्रतिबंध को कुछ लोग अपनी आस्था पर चोट मानते हैं, जिसको लेकर कई हिंदूवादी संगठनों और नेताओं के बयान हर वर्ष देखने और सुनने को मिलते हैं। यह बात तय है कि दिवाली हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है और इस पर्व पर पटाखे न जलाकर त्योहार अधूरा लगता है। जब से सनातन परंपरा का उदय हुआ है, तब से यह प्रथा चली आ रही है, और उसे निभाए बिना त्योहार पूरा नहीं लगता। सवाल यही है कि दिल्ली में इसका समाधान कैसे संभव है, क्योंकि हर वर्ष यही स्थिति दोहराई जाती है, जो त्योहार के उत्साही लोगों में कुंठा पैदा कर रही है। कोर्ट और जनता के बीच फंसा यह भावनात्मक घटनाक्रम अब निराशा का रूप ले चुका है। इसमें एक सवाल यह उठता है कि आखिर राजधानी में इतना पटाखा आ कहां से रहा है? पूर्ण रूप से प्रतिबंध होने के बावजूद इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे किस तरह आ रहे हैं? स्थिति स्पष्ट है कि तंत्र की मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं है। तो फिर यह ड्रामा क्यों किया जा रहा है?

बहरहाल, कोर्ट और सरकार को इसका कोई स्थायी समाधान निकालना चाहिए, जिससे लोगों के मन की कुंठा भी दूर हो और त्योहार भी मनाया जा सके।

प्रेरणा

जीवन का सत्यबोध – आत्मा की अमर गूंज

बहुत समय पहले एक छोटे से गांव में एक किसान रहता था। वह साधारण वेशभूषा में रहने वाला, शांत, ईमानदार और धर्मपरायण व्यक्ति था। उसकी दिनचर्या सुबह की पहली किरण के साथ शुरू होती और रात की अंतिम दीया-बाती के साथ समाप्त होती थी। लोग कहते थे कि उसके जीवन में सादगी ही उसका वैभव है। उसका मन किसी लोभ, मोह या छल से अछूता था। वह खेती को केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि पूजा समझता था।

वर्षों तक उसकी पत्नी ने संतान के लिए व्रत रखे, पूजा की, तीर्थ किए, किंतु भाग्य ने जैसे मानो उनकी परीक्षा ली। बहुत समय बाद, एक दिन जब वर्षा की पहली बूंद धरती पर पड़ी, उसी दिन उनके घर में भी सौभाग्य बरसा। एक पुत्र का जन्म हुआ। वे दोनों प्रसन्नता से झूम उठे। उन्होंने उसका नाम रखा — हारू।

हारू किसान के जीवन का केंद्र बन गया। उसकी किलकारी से घर गूंजता रहता, खेतों में काम करते हुए किसान की आंखों में भी मुस्कान रहती क्योंकि उसके हृदय में एक ही चित्र बसता — अपने छोटे से बेटे का। हर शाम वह खेत से लौटकर उसे कंधे पर बैठाता, उसके साथ खेलता और भविष्य के सुनहरे सपनों में खो जाता। मां हर सुबह उसके माथे पर काजल लगाकर कहती, "नजर न लगे मेरे लाल को।" गांव के लोग भी हारू को देखकर कहते, "यह बच्चा इस घर की लक्ष्मी है।"

परंतु संसार का नियम ही यही है कि जो आता है, वह जाता भी है। सुख के पीछे दुःख का पहरा है और जीवन का हर पल अनिश्चित। एक दिन किसान खेत में हल चला रहा था कि अचानक गांव का एक व्यक्ति दौड़ता हुआ आया और चिल्लाया — "भैया! घर चलो, हारू को हैजा हो गया है।" किसान का हाथ रुक गया। उसका मन जैसे जमीन में धंस गया। बिना कुछ पूछे वह खेत छोड़कर दौड़ा।

घर पहुंचा तो देखा — पत्नी घबराई हुई थी, गांव की औरतें आसपास खड़ी थीं, और हारू बिस्तर पर पड़ा था। उसकी छोटी-छोटी आंखें पथरा गई थीं। किसान ने वैद्य बुलवाया, दवा दिलाई, जड़ी-बूटियां दीं, हर उपाय किया। लेकिन जब विधाता की लिखी रेखा पूरी होती है, तब कोई उसे मिटा नहीं सकता। हारू ने मां की गोद में अंतिम सांस ली।

घर में शोक का सागर उमड़ पड़ा। मां चीख-चीखकर रो रही थी, पड़ोसी सांत्वना देने आए थे। हर कोई सोच रहा था कि अब यह किसान टूट जाएगा। लेकिन वह चुप था। न उसकी आंखों से आंसू बहे, न उसके होंठ कांपे। वह शांत बैठा रहा, जैसे उसके भीतर कोई गहरी नदी बह रही हो। थोड़ी देर बाद वह उठा और खेत की ओर चल दिया। शाम को जब लौटकर आया तो उसकी पत्नी ने रोते हुए कहा, "तुम इतने निष्ठुर कैसे हो गए? हमारा बेटा चला गया, तुम्हारी आंखों से एक बूंद भी नहीं गिरी! क्या तुम्हारे हृदय में भाव नहीं?"

किसान ने उसकी ओर देखा। उसकी आंखों में करुणा थी, पर वह करुणा संसारिक नहीं, किसी उच्च सत्य की थी। उसने धीरे से कहा, "सुनो, कल रात मैंने एक स्वप्न देखा था। उसमें मैं एक बड़ा राजा था। मेरे आठ पुत्र थे — सुंदर, बलवान, बुद्धिमान। वे सब मेरे चारों ओर खेल रहे थे, मैं उनके साथ हंस रहा था। तभी अचानक मेरी आंख खुल गई। अब बताओ, क्या मुझे उन आठ पुत्रों के लिए रोना चाहिए, जो स्वप्न में थे?"

पत्नी ने कहा, "पर वे तो केवल सपने में थे, असली नहीं!" किसान ने मुस्कुराते हुए कहा, "और यह संसार? यह जो हम जी रहे हैं, यह भी तो किसी और बड़े स्वप्न का हिस्सा है। जब हम मरते हैं, तब यह स्वप्न भी टूट जाता है। क्या फर्क है? उस स्वप्न में आठ बेटे थे, इस स्वप्न में एक। दोनों ही अस्थायी हैं, दोनों ही बीत जाने वाले। जो बीत जाए, उसके लिए रोने का क्या अर्थ?"

पत्नी धीरे-धीरे मौन हो गई। उसके भीतर जैसे कोई अदृश्य ज्योति जल उठी। किसान ने आगे कहा, "इस संसार में कुछ भी स्थायी नहीं। पुत्र, धन, शरीर, खेत, घर — सब नश्वर हैं। जिस तरह सुबह का स्वप्न दोपहर तक याद नहीं रहता, वैसे ही यह जीवन भी एक दिन समाप्त हो जाएगा। केवल एक चीज अमर है — आत्मा। वही शाश्वत है, वही सत्य है। वह न जन्म लेती है, न मरती है। जब यह समझ आ जाए, तो मृत्यु का भय मिट जाता है, और जीवन का सच्चा अर्थ प्रकट होता है।"

उस रात दोनों चुप बैठे रहे। घर में दीपक की लौ शांत थी, जैसे किसी अदृश्य सत्य की साक्षी बन रही हो। बाहर रात का अंधकार था, पर भीतर मन में एक नया प्रकाश था — आत्मज्ञान का, उस सत्य का जिसमें मृत्यु भी केवल एक परिवर्तन है, अंत नहीं।

उस दिन के बाद किसान पहले से भी अधिक शांत, अधिक स्थिर हो गया। उसके चेहरे पर एक दिव्य संतोष रहता। लोग अब भी उसे किसान कहते थे, पर वास्तव में वह एक ज्ञानी बन चुका था।

संसार के हर दुःख, हर हानि, हर मृत्यु के पीछे छिपा हुआ यही संदेश है —
जो दिखता है वह मिटेगा, जो नहीं दिखता वही सदा रहेगा। और जो इस सत्य को जान लेता है, वही पाता है जीवन का सत्यबोध।

महाराष्ट्र और जम्मू कश्मीर के बाद बिहार- राहुल गांधी इंडिया गठबंधन को संभाल क्यों नहीं पा रहे हैं?

2024 के लोकसभा चुनाव में सहयोगी दलों की मदद से कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लड़ने के लिए राहुल गांधी ने उस यूपीए के नाम को भी त्याग दिया जिसके बैनर तले कांग्रेस ने वर्ष 2004 से 2014 तक देश में राज किया था। लोकसभा चुनाव से पहले यूपीए की जगह पर राहुल गांधी ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर एक नया मोर्चा बनाया जिसे इंडिया गठबंधन का नाम दिया गया। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सहयोगी दलों के समर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री तो बन गए लेकिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार विपक्षी गठबंधन को इतनी ज्यादा सीटें दिलाने का श्रेय लेकर कांग्रेस ने राहुल गांधी को सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित करने का प्रयास किया। कुछ हद तक कांग्रेस को अपने इस अभियान में कामयाबी मिलती भी दिखाई दी। वोट चोरी का अभियान चला कर और बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल कर राहुल गांधी अपने आपको विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेता के तौर पर स्थापित करने में थोड़े बहुत कामयाब होते भी दिखाई दिए।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव से लेकर तमिलनाडु के वर्तमान मुख्यमंत्री एवं डीएमके सुप्रीमो स्टालिन तक से उनके व्यक्तिगत संबंध मजबूत होते नजर आए। जम्मू कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव जीतने में राहुल गांधी और नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला की व्यक्तिगत केमिस्ट्री का जबरदस्त योगदान माना जाता है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने तो खुलकर राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार तक बता दिया। लेकिन इन सबके बावजूद अचानक देश की राजनीति तेजी से बदलती हुई नजर आने लगी है। जम्मू कश्मीर में राज्यसभा सीट और विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस आमने-सामने आ गए है। जम्मू कश्मीर से राज्यसभा सांसदों के लिए होने वाले चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने तीनों सेफ सीट पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं और कांग्रेस को जो चौथी सीट ऑफर की है, उसे जीतना बहुत मुश्किल है। कांग्रेस पहले से ही इसे लेकर अपने सहयोगी दल से नाराज चल रही है वहीं अब विधानसभा की जिन 2 सीटों पर उपचुनाव होना है, उसे लेकर भी मामला फंसता हुआ ही नजर आ रहा है। राज्य में विधानसभा की 2 सीटों- बडगाम और नगरोटा में 11 नवंबर को चुनाव होना है। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने उमर अब्दुल्ला की पार्टी पर गठबंधन के सिद्धांतों का अनादर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह राज्यसभा की एक सेफ सीट देने के अपने वादे से मुकर गई। कांग्रेस ने गठबंधन धर्म की याद दिलाते हुए सख्त शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि या तो नेशनल कांफ्रेंस उन्हें विधानसभा की एक सीट दे या फिर कांग्रेस दोनों ही सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार देगी।

महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव के समय से ही शुरू हुई खटास कम होने का नाम नहीं ले रही है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर और दुनिया भर में भेजे गए सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को लेकर एनसीपी और कांग्रेस के सुर अलग-अलग तो नजर आए ही। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के जेल जाने के बाद इस्तीफे की बाध्यता वाले बिल पर गठित की जाने वाली जेपीसी में शामिल नहीं होने को लेकर भी कांग्रेस इंडिया गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों को अपने साथ ला पाने में नाकामयाब होती नजर आ रही है। वहीं बिहार का मामला तो राहुल गांधी के नेतृत्व की स्वीकार्यता को लेकर सबसे बड़ा झटका साबित होता हुआ नजर आ रहा है। एक तरफ आरजेडी है जिसके नेता तेजस्वी यादव ने खुल कर राहुल गांधी की प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का समर्थन कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी है जो लगातार पूछे जाने के बावजूद भी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं कर रहे हैं। जबकि राजनीतिक सच्चाई तो यही है कि बिहार में विपक्षी गठबंधन में आरजेडी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। कांग्रेस और आरजेडी में सीटों के बंटवारे को लेकर भी घमासान मचा हुआ है। सहयोगी दलों के साथ कांग्रेस की यह खींचतान और महत्वपूर्ण मौकों पर राहुल गांधी की गैरमौजूदगी उनके नेतृत्व पर ही सवालिया निशान लगाती नजर आती है। पता नहीं राहुल गांधी इस तथ्य को समझ पा रहे हैं या नहीं और इससे भी बड़ा सवाल यह कि आखिर राहुल गांधी को इस तरह की सलाह कौन देता है कि उन्हें दिल्ली में होने के बावजूद तेजस्वी यादव से मुलाकात नहीं करनी चाहिए। केसी वेणुगोपाल और तेजस्वी यादव की जगह पर अगर राहुल सीधे तेजस्वी के साथ बैठकर बात करते तो शायद मामला इतना उलझता नहीं।

अभियान

धनतेरस का पावन रहस्य: जब मां लक्ष्मी, भगवान धन्वंतरि और सुख-समृद्धि स्वयं घर पधारते हैं

धनतेरस का पर्व केवल खरीदारी का दिन नहीं, यह उस दिव्य क्षण का उत्सव है जब देवताओं ने अमृत पाया, जब भगवान धन्वंतरि प्रकट हुए और जब मां लक्ष्मी ने अपने करकमलों से संसार को समृद्धि का वरदान दिया। यह दिन "धन्वंतरि त्रयोदशी" के नाम से भी प्रसिद्ध है क्योंकि समुद्र मंथन के समय इसी तिथि को भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर क्षीर सागर से प्रकट हुए थे। उनके हाथों में स्वर्ण कलश और औषधियां थीं, जो स्वास्थ्य और दीर्घायु का प्रतीक हैं। तभी से यह दिन धन, आरोग्य और आयु की वृद्धि का दिन माना जाता है। किंवदंती कहती है कि जब देवताओं और असुरों के बीच समुद्र मंथन हुआ, तब अनेक रत्न प्रकट हुए। सबसे अंत में भगवान धन्वंतरि हाथ में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। उसी क्षण ब्रह्मांड में एक दिव्य प्रकाश फैला और समस्त लोकों में जीवन ऊर्जा का संचार हुआ। उसी दिन मां लक्ष्मी भी प्रकट हुईं और उन्होंने यह वरदान दिया कि जो व्यक्ति इस दिन श्रद्धा और शुद्ध मन से खरीदारी करेगा, उसके घर में वर्षभर लक्ष्मी और स्वास्थ्य दोनों का वास रहेगा। इसी कारण से धनतेरस का महत्व केवल धातु या वस्तु की खरीद में नहीं, बल्कि उस श्रद्धा में है जिससे हम अपने जीवन में समृद्धि को आमंत्रित करते हैं। धनतेरस के दिन जब सूर्य अस्त हो रहा होता है और दीपक की पहली लौ जलती है, तब वह लौ केवल अंधकार मिटाने का प्रतीक नहीं होती, बल्कि यह देवी लक्ष्मी के आगमन का संकेत होती है। कहा जाता है कि इस दिन जो व्यक्ति अपने घर को दीपों से सजाता है, उसके जीवन के अंधकार दूर हो जाते हैं। प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख है कि धनतेरस पर स्वर्ण या रजत धातु की वस्तुएं खरीदना अत्यंत शुभ माना गया है। सोना सूर्य का प्रतीक है, जो ऊर्जा और तेज का द्योतक है; जबकि चांदी चंद्रमा की शीतलता और संतुलन का प्रतीक है। जब व्यक्ति इन दोनों धातुओं को इस दिन घर लाता है, तो यह जीवन में शक्ति और शांति दोनों के संतुलन का संकेत होता है। लेकिन जो लोग सोना या चांदी खरीदने में असमर्थ होते हैं, उनके लिए पीतल या कांसे के बर्तन खरीदना भी उतना ही शुभ माना गया है। इन धातुओं की तरंगें घर के वातावरण को सात्त्विक और शुद्ध रखती हैं, और जब इन्हें पूजा में प्रयोग किया जाता है तो यह देवताओं की कृपा को स्थायी बनाती हैं। धनतेरस पर झाड़ू खरीदने की परंपरा भी बहुत गहरी है। यह केवल सफाई का प्रतीक नहीं, बल्कि यह देवी लक्ष्मी का स्वरूप मानी जाती है। कहा गया है कि लक्ष्मी वहीं निवास करती हैं जहाँ स्वच्छता और शुद्धता हो। झाड़ू घर से नकारात्मकता, दरिद्रता और रोगों को बाहर करती है। जब कोई व्यक्ति इस दिन नई झाड़ू लाकर घर की साफ-सफाई करता है, तो वह केवल धूल मिटा नहीं रहा होता, बल्कि जीवन से दुर्भाग्य और संकटों को भी बाहर निकाल रहा होता है। कुछ घरों में इस दिन नए अनाज — जैसे गेहूं, चावल, दालें या तिलहन — खरीदने की परंपरा भी है। यह संकेत है कि घर में अन्न और संपत्ति की कभी कमी न हो। जब घर में नया अन्न रखा जाता है तो यह ब्रह्मांड को संदेश देता है कि यह गृहस्थी श्रम, समृद्धि और संतोष का प्रतीक है। आधुनिक युग में जहां तकनीक ने जीवन

को नया रूप दिया है, वहीं धनतेरस ने भी अपने स्वरूप को समय के साथ बदला है। अब लोग इस दिन नए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल, वाहन, टीवी, फ्रिज, लैपटॉप आदि खरीदते हैं। परंतु इन आधुनिक वस्तुओं में भी वही भाव छिपा होता है — उन्नति, सुविधा और सुख का। यह केवल वैभव नहीं, बल्कि प्रगति का प्रतीक बन गया है। इस पावन अवसर पर लक्ष्मी और गणेश की मूर्तियों का खरीदना विशेष रूप से शुभ माना गया है। दीपावली की रात्रि में इन्हीं मूर्तियों की स्थापना और पूजन किया जाता है। गणेश जी बुद्धि और विवेक के स्वामी हैं, जो धन के सही उपयोग की प्रेरणा देते हैं, जबकि मां लक्ष्मी उस धन की कृपा प्रदान करती हैं। जब दोनों की संयुक्त पूजा होती है, तो व्यक्ति के जीवन में न केवल धन आता है बल्कि उसके उपयोग में भी सद्बुद्धि का प्रकाश फैलता है। भगवान धन्वंतरि की मूर्ति या चित्र घर में स्थापित करना भी अत्यंत फलदायी होता है। यह केवल आरोग्य की कामना नहीं बल्कि जीवन में दीर्घायु और मानसिक शांति का वरदान भी है। कहा गया है कि जो व्यक्ति इस दिन भगवान धन्वंतरि की आराधना करता है, वह रोगों और दुर्बलता से मुक्त रहता है। आयुर्वेद में धन्वंतरि का स्वरूप अमृत समान बताया गया है, जो शरीर के साथ-साथ मन को भी संतुलित रखता है। इसके अतिरिक्त इस दिन तुलसी, गिलोय, आंवला या अन्य औषधीय पौधे घर में लाना भी अत्यंत शुभ होता है। पौधे केवल पर्यावरण के नहीं, बल्कि जीवन के भी संरक्षक हैं। जब कोई व्यक्ति धनतेरस पर तुलसी या आंवले का पौधा घर लाता है, तो वह प्रकृति के साथ अपने आध्यात्मिक संबंध को भी मजबूत करता है।

धनतेरस पर नई पूजा सामग्री जैसे सिंदूर, रोली, हल्दी की गांठ, कलावा, दीपक, बाती और अगरबत्तियां खरीदना भी अत्यंत शुभ माना जाता है। यह केवल पूजा का हिस्सा नहीं, बल्कि शुभता की ऊर्जा को जागृत करने का माध्यम है। दीपक में जलती लौ जब हवा से हिलती है, तो वह मानो कहती है — "जहां प्रकाश है, वहां लक्ष्मी का निवास है।"

धनतेरस का सच्चा अर्थ यह नहीं कि हम कितनी वस्तुएं खरीदते हैं, बल्कि यह है कि हम अपने भीतर कितनी श्रद्धा जगाते हैं। जब मन पवित्र होता है, तो साधारण वस्तुएं भी चमत्कारी बन जाती हैं। इस दिन किया गया हर छोटा कार्य, हर छोटी खरीदारी, यदि भक्ति और आभार के साथ की जाए, तो वह आने वाले पूरे वर्ष को मंगलमय बना देती है। जब दीपावली की रात आती है और घर-घर में दीपक जलते हैं, तब वे दीपक धनतेरस के ही संकल्प का परिणाम होते हैं — उस संकल्प का, जिसमें व्यक्ति ने अपने जीवन में प्रकाश, स्वास्थ्य और समृद्धि को आमंत्रित किया था। इसलिए धनतेरस के दिन की हर सांस, हर प्रार्थना, हर दीपक और हर खरीद एक प्रतीक है — उस अनंत विश्वास का कि जब हम श्रद्धा से मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि का स्वागत करते हैं, तो सुख-समृद्धि स्वयं हमारे द्वार तक चली आती है।

RNI No. GJHIN/25/A2786 Printed, Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424. Editor : JIGNESHKUMAR PATHABHAI VAGHELA

आंबलियासन–विजापुर रेलखंड का गेज परिवर्तन कार्य पूर्ण, संरक्षा निरीक्षण जारी

▸▸ 42.32 किमी लंबा खंड अब ब्रॉड गेज में परिवर्तित,
▸▸ 16 एवं 17 अक्टूबर 2025 को हो रहा है संरक्षा निरीक्षण

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के आंबलियासन–विजापुर रेलखंड (42.32 किमी) का गेज परिवर्तन कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह रेलखंड वर्ष 1902 में मीटर गेज लाइन के रूप में प्रारंभ हुआ था और अब इसका ब्रॉड गेज में परिवर्तन कार्य पूर्ण हो चुका है। अब यह खंड यात्रियों के लिए आधुनिक एवं सुरक्षित परिचालन हेतु तैयार है। इस खंड का संरक्षा निरीक्षण (Safety Inspection) रेल संरक्षा आयुक्त (CRS), पश्चिम रेलवे श्री ई. श्रीनिवास द्वारा 16 एवं 17 अक्टूबर 2025 को किया जा रहा है।

पिछले दो महीनों में रेल संरक्षा आयुक्त (CRS) द्वारा लगभग 100 किमी खंडों का निरीक्षण किया जा चुका है, जिनमें हाल ही में सम्पन्न हिम्मतनगर–खेडब्रह्मा रेलखंड (54.83 किमी) का CRS निरीक्षण भी शामिल है। साथ ही, विजापुर–आदराज मोती रेलखंड (39.85 किमी) का गेज परिवर्तन कार्य भी शीघ्र पूर्ण होने की दिशा में है, जिसका संरक्षा निरीक्षण आगामी दिनों में किया जाएगा।

दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को निरीक्षण के प्रथम दिवस पर रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा आंबलियासन से कूकरवाड़ा तक कुल 26.61 किलोमीटर लंबाई के खंड का मोटर ट्रॉली के माध्यम से विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आंबलियासन स्टेशन से निरीक्षण प्रारम्भ किया गया तथा सिग्नल एवं इंटरलॉकिंग पैनल की कार्यप्रणाली की जांच की गई। इसके अतिरिक्त, RUB नंबर 98A एवं 79B पर ऊँचाई माप (Height Gauge) एवं जल निकासी (Drainage Arrangement) की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया।

आगे लांघंज स्टेशन तथा गोझारिया स्टेशन का भी संरचनात्मक एवं सिग्नलिंग निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही लेवल क्रॉसिंग नंबर 69, 77, 78 एवं 88, मेजर ब्रिज नंबर 85A एवं 97 का निरीक्षण किया गया। सभी स्थलों पर मोटर ट्रॉली द्वारा ट्रैक संरचना, पुल, सिग्नलिंग व्यवस्था एवं सुरक्षा उपायों की गहन समीक्षा की गई।

निरीक्षण टीम में श्री ई. श्रीनिवास, रेल सुरक्षा आयुक्त (CRS), पश्चिम रेलवे, श्री वेद प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद, श्री प्रदीप गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मुख्य ट्रैक इंजीनियर, मुख्य परिचालन प्रबंधक (जी) तथा निर्माण एवं ओपन लाइन विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

परियोजना के अंतर्गत इस खंड में कुल 02 मेजर ब्रिज, 51 माइनर ब्रिज तथा 45 नए रोड अंडर ब्रिज (RUBs) का निर्माण किया गया है। सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु रेलवे लाइन को लेवल क्रॉसिंग के समीप फेंसिंग द्वारा संरक्षित किया गया है तथा इस खंड पर कुल 04 लेवल क्रॉसिंग्स हैं।

ब्रॉड गेज ट्रैक में 60 किलोग्राम के नए रेल पैनल बिछाए गए हैं। आंबलियासन एवं विजापुर स्टेशनों को स्टैंडर्ड-II इंटरलॉकिंग सिस्टम और मल्टीपल एस्पेक्ट कलर लाइट सिग्नलिंग (MACLS) से सुसज्जित किया गया है, जिससे ट्रेनों के संचालन की सुरक्षा एवं दक्षता में महत्वपूर्ण सुधार होगा।

यह नया ब्रॉड गेज खंड देश के प्रमुख रेलवे नेटवर्क से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ जाएगा, जिससे यात्रियों को अधिक तेज़, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुविधा प्राप्त होगी। इस परियोजना से उत्तरी गुजरात के ग्रामीण एवं औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी प्राप्त होगी, जिससे यात्रा समय में कमी, व्यापार एवं कृषि क्षेत्र में वृद्धि तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था में सशक्तिकरण सुनिश्चित होगा।

इस खंड के चालू होने से विजापुर क्षेत्र के प्रसिद्ध गेहूँ, आलू एवं तेल उत्पादों की आपूर्ति देशभर में अधिक सुगमता से हो सकेगी, जिससे व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा तथा क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति प्राप्त होगी।

संरक्षा निरीक्षण के अंतिम दिन, 17 अक्टूबर 2025 को इंजन स्पीड ट्रायल 120 किमी/घंटा की गति से किया जाएगा, जिसके पश्चात इस खंड पर ट्रेनों का परिचालन प्रारंभ किए जाने की दिशा में आगे की प्रक्रिया आरंभ होगी।

पश्चिम रेलवे की यह परियोजना यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

भावनगर रेलवे मंडल के धोला जंक्शन रेलवे कॉलोनी में "सांस्कृतिक संध्या" कार्यक्रम का सफल आयोजन

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के कार्मिक विभाग द्वारा कर्मचारी हित निधि के सौजन्य से दिनांक 15 अक्टूबर, 2025 को धोला जंक्शन रेलवे कॉलोनी में "सांस्कृतिक संध्या" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपनी कला प्रस्तुत करने के लिए एक सकारात्मक मंच प्रदान करना था। यह आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन जी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से शाम 5:00 बजे से आरंभ हुआ।

कार्यक्रम में रेलवे कॉलोनी के बच्चों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए संगीत एवं नृत्य की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। दर्शकों ने पूरे कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन जी ने रेलवे में चल रही विविध कल्याणकारी योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन दिया तथा कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया।

कार्यक्रम के दौरान सहायक कार्मिक अधिकारी श्री संतोष कुमार वर्मा जी ने कॉलोनी को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए प्रेरित किया तथा "बेस्ट कैप्ट रेलवे क्वार्टर अवार्ड" के रूप में एक नवाचार प्रस्तुत किया। इस पहल के तहत ESM श्री अमोल डोंगरे को वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी के करकमलों से स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, धोला शाखा के शाखा प्रबंधक श्री अजीत कुमार गुप्ता ने एसबीआई रेलवे सैलरी पैकेज अकाउंट के लाभों की जानकारी दी।

इस अवसर पर सहायक मंडल अभियंता श्री विजेंद्र सिंह एवं पश्चिम रेलवे एम्प्लॉइज यूनियन के डिविजनल सेक्रेटरी श्री शैलेंद्र श्रीवास्तव ने भी कर्मचारियों को प्रेरक मार्गदर्शन प्रदान किया। पूरे कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री शैलेश परमार (सचिव, कर्मचारी हित निधि एवं कल्याण निरीक्षक) तथा कल्याण निरीक्षकों की टीम का विशेष योगदान रहा, जिनकी मेहनत से "सांस्कृतिक संध्या" कार्यक्रम सफलता के साथ संपन्न हुआ।

प्रतापनगर से जयनगर के लिए रविवार को अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन

(जीएनएस)। वडोदरा मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से प्रतापनगर-जयनगर स्टेशन के बीच विशेष किराए पर अनारक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाईगी।

1. ट्रेन संख्या 09151/09152 प्रतापनगर-जयनगर अनारक्षित स्पेशल (साप्ताहिक) [04 फेरे]

ट्रेन संख्या 09151 प्रतापनगर - जयनगर स्पेशल रविवार, 19 और 26 अक्टूबर 2025 को 16:35 बजे प्रतापनगर से प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 10:00 बजे जयनगर पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09152 जयनगर - प्रतापनगर स्पेशल मंगलवार, 21 और 28 अक्टूबर, 2025 को 14:00 बजे जयनगर से प्रस्थान करेगी और गुरुवार को 05:30 बजे प्रतापनगर पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छेवकी, मिर्ज़ापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सूरत महानगर पालिका के सर्टिफाइड ग्रीन बॉण्ड की मुंबई नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में बेल रिंगिंग कर लिस्टिंग कराई

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

▸▸ प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने इकोलॉजी व इकोनॉमी के बीच उम्दा संतुलन बनाए रखा है

▸▸ सूरत शहर तथा महानगर पालिका स्वच्छता एवं ग्रीन मोबिलिटी क्षेत्र में देशभर में आदर्श

▸▸ सूरत मनपा के 'म्युनिसिपल ग्रीन बॉण्ड इश्यू' में वैश्विक निवेशकों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय रुचि बढ़ी है

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को मुंबई नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूरत महानगर पालिका के म्युनिसिपल ग्रीन बॉण्ड की बेल रिंगिंग कर लिस्टिंग कराई। इस अवसर पर सूरत के महापौर श्री दक्षेश मावाणी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सूरत महानगर पालिका द्वारा जारी किए गए 200 करोड़ रुपए के म्युनिसिपल ग्रीन बॉण्ड के माध्यम से ग्रीन एवं सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए लोगों को भागीदार बनाया गया है। सूरत महानगर पालिका के ग्रीन बॉण्ड का 8 गुना सबस्क्रिप्शन दर्शाता है कि निवेशकों ने ग्रीन बॉण्ड में निवेश करने में असाधारण उत्साह दिखाया है। श्री पटेल ने कहा कि सूरत मनपा के दीर्घदृष्टि से युक्त आयोजन सूरत का विकास अधिक तेज बनाएंगे। वर्ष 2070 तक प्रधानमंत्री के नेट जीरो कार्बन फुटप्रिंट के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में राज्य सरकार ने ग्रीन ग्रोथ तथा ग्रीन मोबिलिटी पर विशेष बल दिया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने इकोलॉजी तथा इकोनॉमी के बीच उम्दा संतुलन बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के अंतर्गत 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' के संदेश के साथ सदस्य देशों ने भी प्रधानमंत्री के सस्टेनेबल डेवलपमेंट और ग्रीन ग्रोथ को प्राथमिकता दी है।

मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प किया है। यह संकल्प पूर्ण करने के लिए गुजरात ने 'विकसित गुजरात@2047' के रोडमैप सहित अनेक विकासोन्मुखी आयाम शुरू किए हैं। प्रधानमंत्री सदैव जन भागीदारी के आग्रही रहे हैं। 'सरकारी पद्धति को प्रभावशाली बनाने' के ध्येय के साथ राज्य व केन्द्र सरकार के जन हितकारी प्रयास रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सूरत शहर तथा महानगर पालिका स्वच्छता तथा ग्रीन मोबिलिटी क्षेत्र में देशभर में आदर्श बने हैं। उन्होंने इसके लिए सूरत मनपा के शासक-प्रशासकों को अभिनंदन दिया। इस संदर्भ में श्री पटेल ने आगे कहा कि देश में सबसे पहली बार इंटरनेशनल ग्रीन सर्टिफिकेशन के साथ म्युनिसिपल ग्रीन बॉण्ड इश्यू के जरिये जारी किए गए हैं। ऐसे में सूरत मनपा के म्युनिसिपल ग्रीन बॉण्ड इश्यू में वैश्विक निवेशकों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय रुचि बढ़ी है। मनपा ने विकास के उत्तम आयोजन के साथ जन भागीदारी को जोड़ा है।

उन्होंने कहा कि ग्रीन पीपल्स फाइनेंशिंग ग्रीन ग्रोथ का उत्तम उदाहरण बनेगा। श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि यह पहल शहर के लिए न केवल वित्तीय रूप से लाभदायी सिद्ध होगी, अपितु पर्यावरणीय स्तर पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगी। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि सूरत मनपा की यह आयोजन अब अन्य शहरों के लिए भी प्रेरणादायी बनेगा। इस अवसर पर महापौर श्री दक्षेश मावाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए सस्टेनेबल एनर्जी प्रेरक उदाहरण बनेगी। सूरत मिनी भारत है। सभी ने सूरत के विकास में सहयोग दिया है। सूरत शहर को अब तक लगभग 14 विभिन्न पुरस्कार मिले हैं। सूरत को ग्रीन एनर्जी के साथ विश्व की बेस्ट सिटी बनाया जाएगा।

सूरत मनपा द्वारा 200 करोड़ रुपए के लिस्टेड, टैक्सेबल, रिडीमेबल, सेक्योर्ड नॉन-कन्वर्टीबल म्युनिसिपल बॉण्ड डिबेंचर के रूप में जारी किए गए थे। ये ग्रीन बॉण्ड 6 अक्टूबर 2025 को खुले थे और 9 अक्टूबर 2025 को बंद हुए थे। इस अवधि के दौरान सूरत मनपा के ग्रीन बॉण्ड 200 करोड़ रुपए की डिमांड के समक्ष 800 करोड़ रुपए तक छलके हैं, जिसके चलते ड्रॉ सिस्टम से बॉण्ड का आवंटन होगा। रीटेल सेक्टर में मनपा द्वारा कुल बॉण्ड का 15 प्रतिशत के हिसाब से 30 करोड़ रुपए के आवंटन का ऑफर आमंत्रित किया गया था।

सूरत मनपा आयुक्त श्री शालिनी अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि देश में सर्वप्रथम अंतरराष्ट्रीय सर्टिफाइड ग्रीन बॉण्ड सूरत मनपा लाई है। इसके माध्यम से एकत्र होने वाली राशि पर्यावरण का जतन करने के साथ ग्रीन एनर्जी से जुड़े प्रोजेक्ट के रिसोर्स पर खर्च की जाएगी। इसके अलावा सोलर पावर प्रोजेक्ट्स, जल संचय से जुड़े प्रोजेक्ट और ग्रीन परिवहन की दिशा में साकार होन वाले प्रोजेक्ट में ग्रीन बॉण्ड महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक श्री आशिष चौहाण ने गुजरात सरकार तथा सूरत महानगर पालिका को ग्रीन बॉण्ड की लिस्टिंग पर बधाई दी। इस अवसर पर भारत सरकार के सुजीत सिंह, अग्रणी श्री एन. के. मेहता, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. विक्रांत पांडे, सूरत मनपा के अधिकारी-पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भावनगर मंडल के बोटाद स्टेशन पर "अमृत संवाद" कार्यक्रम का आयोजन

(जीएनएस)। "स्पेशल कैम्पेन 5.0" के अंतर्गत पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल द्वारा 15 अक्टूबर, 2025 को बोटाद स्टेशन पर "अमृत संवाद" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर यात्रियों के साथ संवाद स्थापित कर "अमृत भारत स्टेशन योजना (ABSS)" के तहत बोटाद स्टेशन पर किए गए विकास कार्यों की जानकारी साझा की गई। यात्रियों को बताया गया कि अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेल की एक महत्त्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य देशभर के स्टेशनों का चरणबद्ध तरीके से उनका विकास एवं आधुनिकीकरण कर उन्हें अधिक सुविधाजनक, स्वच्छ और आधुनिक बनाना है।

योजना के अंतर्गत सतत विकास, डिजिटल सूचना प्रणाली, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन कार्यों में जनभागीदारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

बोटाद स्टेशन पर 9.21 करोड़ की लागत से विभिन्न यात्री सुविधाएँ विकसित की गई हैं, जिनमें शामिल हैं:

▸▸ प्लेटफार्मों का पुनःसतहीकरण
▸▸ प्लेटफार्म संख्या 1, 2 और 4 पर नए प्रतीक्षालयों एवं शौचालय ब्लॉकों का निर्माण
▸▸ दिव्यांग अनुकूल सुविधाएँ
▸▸ नए प्रवेश एवं निकास द्वार
▸▸ सर्कुलेटिंग एरिया और पार्किंग का विकास
▸▸ स्टेशन भवन का फसाड सुधार, प्रकाश व्यवस्था एवं लैंडस्केपिंग कार्य

साथ ही 28.46 करोड़ की लागत से 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज (FOB) का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसमें लिफ्ट सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस कार्य को 31 मार्च, 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है, जिससे आवागमन और यात्री सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा।

इन प्रयासों के माध्यम से भारतीय रेल यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ, आधुनिक एवं यात्री-मित्र वातावरण प्रदान करने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। बोटाद स्टेशन को एक आकर्षक और आधुनिक मॉडल स्टेशन के रूप में विकसित करने का कार्य गति पर है। कार्यक्रम के दौरान यात्रियों से उनके सुझाव एवं प्रतिक्रियाएँ भी आमंत्रित की गईं। यात्रियों ने रेलवे द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा कुछ उपयोगी सुझाव भी प्रस्तुत किए, जिन पर रेलवे प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

दीवाली एवं छठ पर्व के दौरान अधिकृत यात्रियों की सुविधा हेतु अहमदाबाद एवं साबरमती स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री अस्थायी रूप से स्थगित

(जीएनएस)। दिनांक 16 अक्टूबर, 2025 से 27 अक्टूबर, 2025 तक लागू रहेगी यह व्यवस्था

आगामी दीवाली एवं छठ पर्व के अवसर पर यात्रियों की भारी आवाजाही को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद एवं साबरमती रेलवे स्टेशनों पर भीड़-प्रबंधन एवं यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री अस्थायी रूप से स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

यह व्यवस्था दिनांक 16 अक्टूबर, 2025 से 27 अक्टूबर, 2025 तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि में प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री सभी माध्यमों से अस्थायी रूप से बंद रहेगी।

यह निर्णय यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा एवं सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने हेतु एक अस्थायी एवं नियोजित कदम है। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की यात्रा अनुभव को सुरक्षित एवं सुखद बनाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं।

रेलवे प्रशासन की अपील है कि यात्रीगण एवं नागरिक इस अवधि में अनावश्यक भीड़ से बचें तथा स्टेशन परिसर में केवल यात्रा संबंधी कार्यों के लिए ही उपस्थित हों, ताकि सभी के लिए सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

श्री अनुभव सक्सेना ने वडोदरा मंडल पर जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार संभाला

(जीएनएस)। श्री अनुभव सक्सेना ने पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल पर जनसंपर्क अधिकारी के पद पर कार्यभार संभाल लिया है।

श्री अनुभव वडोदरा के जनसंपर्क अधिकारी पद पर आने से पूर्व पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय, चर्चगेट, मुंबई में जनसंपर्क अधिकारी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) के पद पर कार्यरत थे।

लखनऊ विश्वविद्यालय से जनसंपर्क एवं मास कम्युनिकेशन में परास्नातक श्री अनुभव को प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कार्य का गहन अनुभव प्राप्त है। पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय, चर्चगेट में जनसंपर्क अधिकारी पद पर रहते हुए उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से बेहतर संवाद के साथ साथ सोशल मीडिया एवं डिजिटल मीडिया में पश्चिम रेलवे के लिए कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की एवं WR समाचार एवं WR पॉडकास्ट जैसे इनोवेटिव पहल में अपना अहम योगदान दिया है।

माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने राजस्थान के 65 रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं से जुड़े प्रमुख विभिन्न कार्यों का राष्ट्र को समर्पण किया

(जीएनएस)। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने आज खातीपुरा रेलवे स्टेशन का दौरा किया और राजस्थान में यात्रियों की सुविधा बढ़ाने तथा आधुनिक और कुशल रेल सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहलों की शुरुआत की। ये पहल राज्य के रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को रूपांतरित करने और यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम हैं।

श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान के 65 रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए किए गए विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इनमें रामसर, सिवानी, लूनी, पृथ्वीराज पुर और भगत की कोठी जैसे स्टेशन शामिल हैं। इन सुधारों में प्रतीक्षालयों का आधुनिकीकरण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, उन्नत स्वच्छता सुविधाएँ, बैठने की सुविधाएँ, स्पष्ट साइनबोर्ड और दिव्यांगजन के अनुकूल इंतजाम शामिल हैं, जिससे स्टेशन और अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और यात्रियों के अनुकूल बन गए है।

साथ ही, केंद्रीय मंत्री ने जयपुर–आसारवा एक्सप्रेस की सभी एसी श्रेणियों में मुद्रित कंबल कवर (printed blanket covers) की नई व्यवस्था शुरू की, जिससे यात्रा में स्वच्छता, एकरूपता और आरामदायक अनुभव सुनिश्चित होगा।

कार्यक्रम के दौरान माननीय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रेलवे का विकास कई मोर्चों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। नई प्रकार की ट्रेनों की शुरुआत, नए स्टेशनों का निर्माण, नई रेल लाइनें, विद्युतीकरण कार्यों की पूर्णता और आधुनिक रखरखाव डिपो का निर्माण जारी है। उन्होंने कहा कि इन सबके साथ ही रेलवे का मुख्य उद्देश्य यात्रियों के जीवन में सार्थक बदलाव लाना है।

केंद्रीय बजट 2025–26 में राजस्थान में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 9,960 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो तेजी से विस्तार और आधुनिकीकरण को आगे बढ़ा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रदेश में 85 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें से इस वर्ष 8 स्टेशनों का लोकार्पण हो चुका है। राज्य में आज 12 वंदे भारत सेवाएं संचालित हो रही हैं, जो प्रमुख मार्गों पर तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा प्रदान कर रही हैं।

ये योजनाएँ राजस्थान में आधुनिक, कुशल और यात्री-केंद्रित बुनियादी ढांचे के निर्माण के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर,के बीच चलाएगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं जोधपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 04826/04825 बांद्रा टर्मिनस – जोधपुर सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल [04 फेरे]

ट्रेन संख्या 04826 बांद्रा टर्मिनस – जोधपुर सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस से 21:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21:45 बजे जोधपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 अक्टूबर और 30 अक्टूबर, 2025 को चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04825 जोधपुर – बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार को जोधपुर से 17:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 अक्टूबर और 29 अक्टूबर, 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, जयपुर, फुलेरा, नवा सिटी, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना, रेन, मेड़ता रोड और गोटन स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04826 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर 18 अक्टूबर, 2025 से शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

विश्व हिन्दी साहित्य सेवा संस्थान, प्रयागराज द्वारा सन्तोष कुमार झा 'राजभाषा सम्मान' से अलंकृत

(जीएनएस)। मुंबई, 16 अक्टूबर। विश्व हिन्दी साहित्य सेवा संस्थान, प्रयागराज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय साहित्य अधिवेशन के दूसरे दिन नैनी, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में स्थित जगतपिता ब्रह्मदेव धर्मशाला, देवरख में 'हिन्दी संगोष्ठी' एवं 'सम्मान समारोह' आयोजित किया गया, जिसमें कोंकण रेलवे के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा सुप्रसिध्द कवि सन्तोष कुमार झा को उनके नेतृत्व में किये जा रहे उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु "राजभाषा सम्मान– 2024" से गौरवान्वित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि मंडलायुक्त डॉ. सुरेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि संस्कृत और हिन्दी एक ही सांस्कृतिक परंपरा की भाषाएँ हैं। अंग्रेज़ी जानना आवश्यक है, पर हिन्दी की कीमत पर नहीं। विशिष्ट अतिथि डॉ. एन. बी. सिंह 'हरियाली गुरु' रहे। इस अवसर पर अनेक साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। उसी क्रम में, कोंकण रेलवे के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा प्रसिध्द कवि श्री सन्तोष कुमार झा को उनके नेतृत्व में किये जा रहे उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन हेतु "राजभाषा सम्मान– 2024" से गौरवान्वित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री झा के चार काव्य संग्रह 'उन्मुक्त', 'सूरज का वारिस', 'फूल, कलम और बंदूक' तथा 'स्याही का सिपाही' प्रकाशित हो चुके हैं। अन्य सम्मानित साहित्यकारों में डॉ. वंदना अग्निहोत्री, डॉ. सीमा वर्मा, डॉ. विजयलक्ष्मी, रजनी प्रभा, फरहत, राणा प्रताप सहित अनेक विद्वान शामिल रहे। मंच संचालन डॉ. सीमा वर्मा एवं रश्मि चौबे ने किया तथा डॉ. गोकुलेश्वर कुमार द्विवेदी ने आभार व्यक्त किया।

पश्चिम रेलवे चलायेगी अहमदाबाद-शेखपुरा के बीच स्पेशल ट्रेन

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा आगमी दिवाली त्योहार के मद्देनजर यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद-शेखपुरा के बीच स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। इन स्पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09463/09464 अहमदाबाद-शेखपुरा-अहमदाबाद स्पेशल ट्रेन विशेष किराए पर (04 फेरे)

ट्रेन संख्या 09463 अहमदाबाद-शेखपुरा स्पेशल अहमदाबाद से 18 अक्टूबर 2025 (शनिवार) और 23 अक्टूबर 2025 (गुरुवार) को दोपहर 15:20 बजे प्रस्थान करेगी तथा तीसरे दिन सुबह 04:00 बजे शेखपुरा पहुचेंगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09464 शेखपुरा-अहमदाबाद स्पेशल शेखपुरा से 20 अक्टूबर 2025 (सोमवार) और 25 अक्टूबर 2025 (शनिवार) को सुबह 06:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा दूसरे दिन साँय 20:00 बजे अहमदाबाद पहुचेंगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन नदियाद, आणंद, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मकसी, संत हिरदारम नगर, बिना, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिक्की, मिर्ज़ापुर, पं. दिन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, तिलैया, नवादा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, स्लीपर एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09463 की बुकिंग 17 अक्टूबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भाजपा का बिहार चुनाव 2025 में हिंदुत्व एजेंडा पूरी सूची में एक भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं

(जीएनएस)। पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा के साथ ही भाजपा ने अपने हिस्से की 101 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक कर दिए हैं। इस सूची में सबसे खास और विवादास्पद पहलू यह है कि किसी भी मुस्लिम प्रत्याशी को इस बार टिकट नहीं दिया गया है। इस कदम से चुनावी राजनीति में नया मोड़ आ गया है और राजनीतिक विश्लेषक इसे भाजपा की बदलती रणनीति और हिंदुत्व पर केंद्रित चुनावी पिच का हिस्सा मान रहे हैं।

भाजपा के इस फैसले में केवल मुस्लिम समुदाय को ही बाहर रखा गया है, बल्कि पार्टी ने पुराने सहयोगी और वरिष्ठ नेताओं के अनुभवों को भी नजरअंदाज किया है। इस सूची में पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन को शामिल नहीं किया गया, जबकि पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि उन्हें किसी सुरक्षित सीट से मैदान में उतारा जा सकता है। इस फैसले से राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि भाजपा पूरी तरह हिंदुत्व की रणनीति पर चुनाव लड़ना चाहती है और इसका असर उसके सहयोगी दलों पर भी साफ दिख रहा है। लोजपा (आर), हम और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी ने भी मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में नहीं उतारा है। वहीं जदयू ने केवल चार मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है।

विश्लेषकों का कहना है कि यह बदलाव केवल टिकट वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि भाजपा की राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव का संकेत देता है। इस बार पार्टी जातीय समीकरणों से अधिक हिंदुत्व के एजेंडे पर फोकस कर रही है। भाजपा का मानना है कि इस रणनीति से हिंदू मतदाताओं को एकजुट किया जा सकता है और उनका कोर वोट बैंक मजबूत किया जा सकता है। इस दिशा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिहार चुनाव प्रचार की कमान संभाल ली है। उनके भाषणों में धार्मिक प्रतीक, मंदिर और आस्था से जुड़े संदेश प्रमुख रूप से शामिल हैं, जिससे भाजपा की हिंदुत्व पिच और भी मजबूत होती दिखाई दे रही है।

भाजपा की यह रणनीति अचानक नहीं बनी है। इसके संकेत पहले से ही मिलने लगे थे, जब बिहार में बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री की धार्मिक सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं में लोगों से जात-पात छोड़कर केवल हिंदू के रूप में अपनी पहचान अपनाने की अपील की गई। भाजपा नेताओं की उपस्थिति ने स्पष्ट कर दिया कि पार्टी बिहार में भी हिंदुत्व की पिच पर चुनावी खेल खेलने जा रही है।

गृह मंत्री अमित शाह ने अगस्त में सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में माता सीता के मंदिर की आधारशिला रखकर स्थानीय लोगों का भावनात्मक जुड़ाव मजबूत करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जिस तरह अयोध्या भगवान राम के लिए पहचान का केंद्र है, उसी तरह सीतामढ़ी माता सीता से जुड़ा हुआ है। शाह के इस बयान को भाजपा की चुनावी रणनीति से जोड़ा जा रहा है और इसे हिंदुत्व के एजेंडे को मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाने के दौरान घुसपैठिया विवाद भी सुर्खियों में रहा। विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसके निशाने पर गरीब और मुस्लिम मतदाता हैं। राहुल गांधी ने इसे भाजपा की कोशिश बताया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे घुसपैठियों के खिलाफ सुरक्षा का मामला बताया। पीएम के बयान ने भाजपा की हिंदुत्व पिच को और मजबूत किया।

आंकड़ों की बात करें तो बिहार में मुस्लिम आबादी लगभग 17.70 प्रतिशत और यादव आबादी लगभग 14 प्रतिशत है। पारंपरिक रूप से यह वोट बैंक महागठबंधन के पक्ष में जाता रहा है। भाजपा ने यादवों के कुछ हिस्से को अपने साथ जोड़ा है, और इसके साथ ही ब्राह्मण, राजपूत, भूमिहार, कोईरी और कुर्मी जैसी जातियों के बड़े नेताओं के साथ गठबंधन करके लगभग 67-68 प्रतिशत हिंदू वोट बैंक को साधने की रणनीति बनाई है। इसके अलावा मोदी सरकार की जनधन योजना, किसान कल्याण योजनाएं और विश्वकर्मा योजना के तहत रोजगार एवं कर्ज देने जैसी योजनाओं से भाजपा को बिहार में व्यापक आधार मिला है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि भाजपा की यह रणनीति हिंदू मतदाताओं के बीच अपना वोट बैंक मजबूत करने के साथ-साथ विपक्षी गठबंधन के वोटों में विभाजन पैदा कर सकती है। हालांकि, मुस्लिम समुदाय के पूर्ण बहिष्कार और पहचान राजनीति के इस प्रयोग से सामाजिक प्रतिरूपण, लोकतंत्र और समावेशी राजनीति पर लंबी अवधि में असर पड़ सकता है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा का यह हिंदुत्व-एजेंडा न केवल उसकी जीत की संभावनाओं को प्रभावित करेगा, बल्कि राज्य की राजनीतिक और सामाजिक दिशा पर भी स्थायी प्रभाव डाल सकता है। यह रणनीति इस बात की पुष्टि करती है कि अब बिहार का चुनाव केवल जातीय समीकरणों के आधार पर नहीं, बल्कि धार्मिक और पहचान-आधारित राजनीति के आधार पर भी लड़ा जाएगा।

केजरीवाल का गुजरात सरकार पर हमला: किसानों की आवाज़ दबाने और नेताओं की गिरफ्तारी पर भड़के आप समन्वयक

(जीएनएस)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में किसानों के मुद्दों पर आवाज उठाने वाले अपने साथियों के खिलाफ राज्य सरकार की कार्रवाई को लेकर तीखी आलोचना की और कहा कि किसानों की मांगों के समर्थन में खड़े प्रवीण राम और राजू करपड़ा की गिरफ्तारी के बाद गुजरात का किसान बेहद दुखी है। केजरीवाल ने ट्विटर पर शेयर किए गए एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि राज्य में जो हश्र कभी कांग्रेस के साथ हुआ था, वही अब भाजपा के साथ भी घटित होगा; उन्होंने याद दिलाया कि 1985 में कांग्रेस के मनोबल और अहंकार के कारण 1987 के किसान आंदोलन ने उसे सत्ता से बेदखल कर दिया था और अब भाजपा को भी वही परिणाम झेलना पड़ सकता है यदि उसने किसानों की आवाज़ दबाने की प्रवृत्ति नहीं छोड़ी।

केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के किसान पिछले कुछ दिनों से लगातार सड़कों पर हैं और उनकी मांगों के हल के लिए महापंचायते हो रही हैं। उन्होंने बोटाद जिले के हड़दड़ गांव में 12 अक्टूबर को हुई महापंचायत का ज़िक्र करते हुए कहा कि दो प्रमुख मांगों — 'करदा प्रथा' के खिलाफ कार्रवाई और एपीएमसी की सरकारी मंडी से जुड़ी खरीदी की प्रक्रिया में पारदर्शिता — को लेकर किसान संगठित हुए थे। केजरीवाल ने विस्तार से बताया कि करदा प्रथा के कारण व्यापारी किसानों के साथ अनुचित व्यवहार कर रहे हैं; बाजार में पहली खेप की उचित कीमत देने के बाद बाकी फसल के लिए सस्ती दर थोप दी जाती है और किसान अपनी पूरी उपज का सही मुआवजा नहीं पाते। साथ ही उन्होंने कहा कि कानून के अनुसार जब किसान सरकारी मंडी में फसल बेचने जाता है तो व्यापारी को वहां खरीदी पूरी करनी चाहिए, किन्तु व्यवहार में व्यापारी किसानों से फसल दूर-दराज की गोदामों तक ले जाने के लिए कहते हैं जिससे किसानों को अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट खर्च उठाना पड़ता है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जब किसान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें उठाते हैं तो राज्य सरकार ने लाठीचार्ज करवा कर, आंसू गैस के गोले चला कर और गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करवा कर दमनकारी रवैया अपनाया। उन्होंने बताया कि उसी दिन 85 किसानों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और कुछ पर हत्या के प्रयास की धारा 307 तक लगाई गई, जबकि वास्तविकता यह है कि किसान अपनी जमीन और जीविका के लिए न्याय मांग रहे थे। केजरीवाल ने इन घटनाओं का ज़िक्र कर गुजरात सरकार पर चेतावनी दी कि यदि जनता की आवाज़ पर दमन जारी रहा तो जनता आगामी चुनाव में उसका हिसाब पूछेगी। अपने संबोधन में केजरीवाल ने किसान संघर्ष को भारतीय लोकतंत्र की जड़ बताकर कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग कर रहे लोगों पर जब बल प्रयोग किया जाता है तो यह सिस्टम के लिए घातक संकेत है। उन्होंने गुजरात के किसानों से अपील की कि वे एकजुट हों और शांतिपूर्ण तरीके से अपने हक के लिए आवाज़ उठाते रहें; उन्होंने आश्वस्त किया कि आप पार्टी न सिर्फ़ उनकी आवाज़ उठाती रहेगी बल्कि कानूनी और राजनीतिक स्तर पर उनका साथ देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ हुए इतिहास से सबक लेना चाहिए — जब लोकतंत्र और न्याय के रास्ते पर दबाव बना, तब जनता ने मिलकर बदलाव किया — और अब गुजरात के लोग भी आवश्यकता पड़ने पर वही कर सकते हैं।

केजरीवाल ने सीधे तौर पर भाजपा नेतृत्व पर भी निशाना साधा और कहा कि सत्ता का अहंकार यदि किसानों की समस्याओं को दूर करने से रोक रहा है तो जनता उसे सबक सिखाएगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि किसानों के मुद्दों को राजनीतिक टकराव से अलग रखकर समाधान ढूंढना चाहिए, क्योंकि कृषि से जुड़ा हर सवाल सीधे-सीधे किसानों की रोटी और रोज़गार से जुड़ा हुआ है। केजरीवाल ने ठोस नीति पर बल देते हुए कहा कि करदा प्रथा जैसे शोषणकारी तरीकों को रोकने तथा एपीएमसी मंडियों में पारदर्शिता और स्थानीय नीतियों का सख्ती से पालन कराना चाहिए ताकि किसान को मंडी छोड़कर खुद को अपमानित महसूस न करना पड़े। इस बीच गुजरात के राजनीतिक परिदृश्य में भी हलचल तेज हो गई है। केजरीवाल के बयानों के बाद स्थानीय नेताओं और किसान संगठनों ने प्रतिक्रिया दी है और प्रशासन से मांग की है कि गिरफ्तारी वाले मामलों की पारदर्शी जाँच कराई जाए तथा किसी भी तरह के दमन की बात साबित होने पर कड़े कदम उठाए जाएँ। उधर राज्य सरकार ने फिलहाल उपकरणों और कानून के दायरे में रहकर कार्रवाई की निष्पक्षता का दावा किया है और बताया है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। दोनो ही तरफ से बयानबाजी के बीच माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है और केंद्र तथा राज्य के राजनीतिक ध्रुवों के बीच संवाद की आवश्यकता बढ़ गई है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि केजरीवाल की यह हरकत गुजरात के लिए सिर्फ़ एक लोकसभा या विधानसभा चुनावी रणनीति नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था पर ध्यान खींचने का प्रयास भी है। वे कहते हैं कि यदि कृषि और मंडी व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो बढ़ती नाराज़गी केवल गुजरात तक सीमित न रही कर पूरे क्षेत्रीय राजनीति को प्रभावित कर सकती है। वहीं किसान संगठनों का कहना है कि यह लड़ाई केवल दाम की नहीं, सम्मान तथा आर्थिक सुरक्षा की भी है और इसलिए वे अपनी मांगों के साथ दृढ़ बने रहेंगे। कर्ज में डूबते किसान, मंडी के पारदर्शी नियमों की माँग और सत्ता के दमन के बीच बना यह नया तनाव गुजरात की राजनीति में एक नया अध्याय खोल सकता है। केजरीवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर गुजरात सरकार ने अहंकार छोड़कर किसानों की बात नहीं सुनी तो उसे वही परिणाम भुगतने होंगे जो पहले कांग्रेस को भुगतने पड़े थे। किसान और विपक्षी दलों की बढ़ती एकजुटता यह संकेत दे रही है कि आगामी समय में इस मुद्दे की गूंज और तेज़ होगी, और प्रशासन को समझदारी और संवेदनशीलता के साथ हल निकालना होगा वरना राजनीतिक तापमान और भी ऊपर चला जाएगा।

चलती लोकल में जन्मा जीवन : मुंबई का 'रियल लाइफ रैंचो' बना वीडियो कैमरामैन विकास बेदरे, वीडियो कॉल पर कराई बच्चे की डिलीवरी

(जीएनएस)। मुंबई। मायानगरी की तेज रफ्तार ज़िंदगी के बीच इंसानियत की एक ऐसी मिसाल सामने आई जिसने सबका दिल छू लिया। देर रात चलती लोकल ट्रेन में एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा हुई और कोई चिकित्सा सुविधा पास में नहीं थी। लेकिन तभी एक आम यात्री ने असाधारण साहस दिखाते हुए न सिर्फ महिला की जान बचाई बल्कि एक नवजात को सुरक्षित जन्म भी दिलाया। यह घटना मंगलवार की रात करीब एक बजे राम मंदिर स्टेशन के पास हुई, और जिसने यह कर दिखाया, उसका नाम है — विकास बेदरे, पेशे से एक वीडियो कैमरामैन।

विकास उस रात ट्रेन से सफर कर रहे थे जब उन्होंने पास के डिब्बे से चीखने-चिल्लाने की आवाज़ सुनी। जब वे वहां पहुंचे, तो देखा कि एक महिला को तेज़ प्रसव पीड़ा हो रही है और बच्चा आधा बाहर आ चुका था। स्थिति बेहद नाज़ुक थी, ट्रेन की रफ्तार जारी थी और किसी के पास चिकित्सा मदद नहीं थी। विकास ने बिना समय गँवाए ट्रेन की इमरजेंसी चेन खींचकर उसे रोक दिया और तुरंत हालात को संभालने की कोशिश में जुट गए।

उन्होंने अपने मोबाइल से अपनी दोस्त डॉ. देविका देशमुख को वीडियो कॉल किया और पूरी स्थिति बताई। डॉक्टर ने तुरंत उन्हें निर्देश देना शुरू किया — कैसे सांसों को नियंत्रित कराना है, कैसे बच्चे की डिलीवरी करानी है और कौन-सी सावधानियाँ रखनी हैं। विकास ने स्टेशन पर मौजूद एक चाय वाले से कैंची मांगी, साफ कपड़े और चादरें जुटाईं और डॉक्टर के निर्देशानुसार शांत मन से महिला की डिलीवरी करवाने लगे। कुछ ही मिनटों में ट्रेन के डिब्बे में बच्चे की पहली रोने की आवाज़ गूंजी — और सबने राहत की सांस ली।

विकास ने बाद में बताया, "मैं बहुत डर गया था। पहली बार किसी इंसान की ज़िंदगी मेरे हाथों में थी। लेकिन डॉ. देविका की मदद और खुदा की कृपा से सब ठीक हो गया। मैं फ्लाइट पकड़ने वाला था, लेकिन उस वक्त मुझे लगा कि यह काम ज़्यादा ज़रूरी है।"

इस घटना के बाद मां और नवजात दोनों को पास के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी मंजीत ढिल्लों ने इस घटना का वीडियो और विवरण सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने लिखा — "विकास ने जो किया, वह सिर्फ इंसानियत नहीं, बल्कि हिम्मत और संवेदना का उदाहरण है। उस वक्त कोई डॉक्टर नहीं था, लेकिन विकास ने अपने धैर्य और मानवीय भावना से असंभव को संभव बना दिया।"

सोशल मीडिया पर विकास बेदरे को लोग अब "रियल लाइफ रैंचो" कह रहे हैं — वही रैंचो, जो फिल्म थ्री इडियट्स में कठिन परिस्थितियों में अपने ज्ञान और साहस से जीवन बचाता है। ट्विटर और इंस्टाग्राम पर सैकड़ों यूज़र्स ने विकास को सलाम किया और कहा कि "ऐसे लोग ही मुंबई को 'सिटी ऑफ स्पिरिट' बनाते हैं।" महिला के परिवार ने भी विकास और डॉक्टर देविका का आभार जताते हुए कहा कि अगर वह उस वक्त हिम्मत नहीं दिखाते तो शायद जान बचाना मुश्किल होता।

मुंबई जैसे महानगर में जहां रोज़ लोग अपने-अपने काम में व्यस्त रहते हैं, वहीं विकास बेदरे ने यह साबित कर दिया कि असली नायक वही है जो ज़रूरत के वक्त दूसरों के लिए खड़ा हो जाए। यह घटना न केवल इंसानियत की जीत की कहानी है, बल्कि यह याद दिलाती है कि तकनीक, संवेदना और साहस जब एक साथ आते हैं — तब जीवन किसी भी परिस्थिति में जीत सकता है।

उत्तर प्रदेश में उन्नाव एक्सप्रेसवे पर भयंकर हादसा: दो थाई पर्यटकों की मौत, चालक गंभीर रूप से घायल

(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में गुरुवार शाम आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक भयावह सड़क दुर्घटना हुई, जिसने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। हादसा उन्नाव के कोतवाली क्षेत्र के नसिरापुर गांव के पास, एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 240 पर बनी हवाई पट्टी के समीप हुआ। तेज रफ्तार कार ने अचानक तीन लोगों को रौंद दिया, जिसमें दो थाईलैंड के पर्यटक मौके पर ही दम तोड़ गए, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार मृतक दोनों थाई नागरिक श्रावस्ती के बौद्ध मंदिर ट्रस्ट से जुड़े हुए थे। ये धार्मिक अनुयायी अपने मंदिर की सजावट के लिए दिल्ली जा रहे थे, ताकि आगामी बौद्ध उत्सव की तैयारी की जा सके। हादसे के समय कार में चालक प्रकाश (35) और चार थाई बौद्ध अनुयायी मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, प्रकाश ने अपनी कार को हवाई पट्टी के किनारे रोका और लघुशंका के लिए थोड़ी दूरी पर गया। इसके साथ दो थाई बौद्ध भी कार से उतरे। इसी दौरान लखनऊ की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सीधे तीनों को टक्कर मार गई।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दो थाई पर्यटक सड़क पर गिरते ही मृत हो गए, जबकि चालक प्रकाश गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे जा गिरा। दुर्घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा (UPEIDA) की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) पहुंचाया। चिकित्सकों ने दोनों थाई नागरिकों को मृत घोषित किया और गंभीर रूप से घायल प्रकाश को उन्नाव जिला अस्पताल रेफर किया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, प्रकाश के सिर और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत नाज़ुक बनी हुई है।

हादसे के तुरंत बाद टक्कर मारने वाली कार के सवार फरार हो गए। पुलिस ने वाहन को कुछ दूरी पर लावारिस हालत में पाया। वाहन नंबर के आधार पर मालिक की पहचान कर ली गई है और आरोपी ड्राइवर की जल्द गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कार के फिंगरप्रिंट और डीएनए सैंपल भी जांच के लिए भेजे हैं। चूंकि मृतक विदेशी नागरिक हैं, इसलिए उन्नाव प्रशासन ने थाईलैंड दूतावास और भारत के विदेश मंत्रालय को घटना की जानकारी दी। मृतकों के पार्थिव शरीर को स्वदेश भेजने और औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। श्रावस्ती के बौद्ध मंदिर ट्रस्ट के सदस्य और भिक्षु भी उन्नाव पहुंचे, ताकि मृतकों के सम्मान में प्रार्थना सभा आयोजित की जा सके और आवश्यक सहयोग किया जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि मृतकों के परिवारों को हर संभव सहायता दी जाए और दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच जारी है, ताकि टक्कर मारने वाले वाहन की गति और दिशा का पता लगाया जा सके। यह हादसा केवल एक सड़क दुर्घटना नहीं है, बल्कि हाई-स्पीड एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा नियमों के पालन की आवश्यकता पर गंभीर चेतावनी भी है। एक्सप्रेसवे पर थोड़ी-सी लापरवाही भी जानलेवा साबित हो सकती है। थाईलैंड से आए ये दो शांतिप्रिय बौद्ध अनुयायी, जो भारत में धार्मिक कार्यों में सहयोग कर रहे थे, एक क्षणिक असावधानी की भेंट चढ़ गए। स्थानीय लोग और बौद्ध अनुयायी इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त कर रहे हैं और प्रशासन से सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं।

शेयर बाजार दिवाली से पहले उत्साहित, सेंसेक्स 826 अंकों की छलांग, निफ्टी भी मजबूत

(जीएनएस)। मुंबई। दिवाली की शुरुआत से पहले शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है। गुरुवार को वैश्विक बाजारों में उभरती सकारात्मकता और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं ने निवेशकों का उत्साह बढ़ा दिया।

इसके असर से घरेलू शेयर बाजारों में भी तेजी दर्ज की गई, जहां बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 826.23 अंक या 1.04 प्रतिशत की छलांग लगाकर 83,467.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,010.05 अंक या 1.22 प्रतिशत बढ़कर 83,615.48 तक भी गया। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी 261.75 अंक या 1.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,585.30 अंक पर बंद हुआ।

विशेषज्ञों के अनुसार घरेलू आय में सुधार, नई विदेशी निवेश प्रवाह और वित्तीय तथा उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के शेयरों में मजबूती ने इस तेजी को बढ़ावा दिया। बीते दो सत्रों में सेंसेक्स 1,500 अंक से अधिक चढ़ चुका है, जबकि निफ्टी लगभग 1.9 प्रतिशत उछल चुका है। डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे मजबूत होकर 87.87 (अनंतिम) पर बंद हुआ। प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की नरमी और जोखिम की भावना में उभरती रुचि ने भी बाजार को सहारा दिया।

सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, अडानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक प्रमुख लाभ में रहे। इसके विपरीत इटर्नल और इंफोसिस जैसे शेयर पिछड़ गए।

एशियाई बाजारों में भी तेजी का माहौल रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 2.49 प्रतिशत, जापान का निक्केई 225 1.27 प्रतिशत और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक 0.10 प्रतिशत बढ़ा। हालांकि, हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजार गुरुवार को मजबूत कारोबार कर रहे थे, जबकि अमेरिकी बाजार बुधवार को अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए थे।

विशेषज्ञों का मानना है कि दिवाली से पहले यह तेजी निवेशकों की उत्सुकता और सकारात्मक आर्थिक संकेतों को दर्शाती है। आने वाले दिनों में यदि वैश्विक और घरेलू आर्थिक स्थिति अनुकूल बनी रहती है, तो शेयर बाजार में और भी मजबूती देखने को मिल सकती है, जिससे निवेशकों को लाभ का अवसर मिलेगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 18 साल पुराने फैसले को पलटते हुए कहा कि नाबालिग पत्नी के साथ यौन संबंध बलात्कार नहीं है

(जीएनएस)। इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक 2005 के मामले में ऐतिहासिक और विवादास्पद फैसला सुनाते हुए कहा कि नाबालिग पत्नी के साथ यौन संबंध बलात्कार के अंतर्गत नहीं आता, खासकर जब यह विवाह मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत हुआ हो। अदालत ने इस फैसले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363, 366 और 376 के तहत 2007 में सुनाई गई सात साल की सजा को रद्द कर दिया।

मामला उस समय का है जब एक व्यक्ति पर आरोप था कि उसने एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार किया। निचली अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सात साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि उस समय लड़की की उम्र 16 साल थी और उसने स्वयं अपनी मर्जी से आरोपी के साथ जाने का निर्णय लिया था। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि आरोपी ने लड़की को बहकाया या जबरदस्ती लिया।

जस्टिस अनिल कुमार ने अपने फैसले में कहा कि परिस्थितियों के अनुसार यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि आरोपी ने कोई अपराध नहीं किया। अदालत ने यह भी माना कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत यह कृत्य अपराध के दायरे में नहीं आता और उस समय लागू कानून के अनुसार दंडनीय नहीं था।

सुनवाई के दौरान पीड़िता ने भी स्वीकार किया कि उसने स्वयं अपनी इच्छा से आरोपी के साथ घर से बाहर जाने और शादी करने का निर्णय लिया था। उन्होंने बताया कि शादी के बाद वे भोपाल में एक महीने तक साथ रहे। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया था कि लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाया गया, लेकिन अदालत ने पीड़िता की सहमति और परिस्थितियों के आधार पर सजा को रद्द कर दिया।

यह फैसला समाज में चर्चा का विषय बन गया है क्योंकि यह नाबालिग विवाह और बलात्कार की धाराओं पर आधारित पुराने कानून और व्यक्तिगत कानून के टकराव को उजागर करता है। न्यायविदों का कहना है कि यह मामला कानून की सीमाओं, व्यक्तिगत कानून और बाल संरक्षण के दृष्टिकोण के बीच जटिल संतुलन को दर्शाता है।

फैसले का असर भविष्य में ऐसे मामलों की सुनवाई और नाबालिग विवाह से जुड़े कानूनी विवादों पर पड़ सकता है, और यह समाज में बाल संरक्षण, विवाह की उम्र और सहमति की धाराओं पर बहस को और तीव्र करेगा।

भारत वायुसेना ने चीन को पछाड़ा, विश्व रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल

(जीएनएस)। नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना ने अपनी ताकत और संतुलित क्षमता के दम पर चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व की शीर्ष वायु सेनाओं में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। यह जानकारी वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिट्री एयरक्राफ्ट (WDMMA) द्वारा जारी नई रैंकिंग में सामने आई है। रैंकिंग के अनुसार, अमेरिका की वायुसेना दुनिया की सबसे ताकतवर है, इसके बाद रूस और फिर भारत का नंबर आता है, जबकि चीन चौथे स्थान पर है।

विश्व वायु सेनाओं की रैंकिंग और TVR

WDMMA की रैंकिंग के अनुसार, अमेरिका की वायुसेना की ट्रूवैल रेटिंग (TVR) 242.9 है। इसके बाद रूस की TVR 114.2, भारत की 69.4 और चीन की 63.8 दर्ज की गई है। अन्य देशों में जापान (58.1), इज़राइल (56.3) और फ्रांस (55.3) शामिल हैं। TVR की गणना में विमानों की संख्या के साथ-साथ उनकी आक्रामक और रक्षा क्षमता, सैन्य सहायता, आधुनिकीकरण, परिचालन प्रशिक्षण और तकनीकी संतुलन जैसे कई पैमानों को ध्यान में रखा जाता है।

भारतीय वायु सेना की ताकत और संतुलन

हालांकि चीन के पास 3,733 विमान हैं, जबकि भारत के पास केवल 1,716 विमान हैं, फिर भी भारतीय वायुसेना अपनी संतुलित संरचना के कारण चीन से आगे है। भारत के विमानों में 31.6 प्रतिशत लड़ाकू विमान, 29 प्रतिशत हेलीकॉप्टर और 21.8 प्रतिशत प्रशिक्षक विमान शामिल हैं। वहीं, चीन के पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स (PLAAF) में 52.9 प्रतिशत लड़ाकू विमान और 28.4 प्रतिशत प्रशिक्षक विमान हैं। WDMMA का कहना है कि भारतीय वायुसेना का यह संतुलन उसे विश्व स्तर पर ताकतवर बनाता है।

भारतीय वायु सेना का बेड़ा

भारतीय वायु सेना के पास फ्रांस निर्मित राफेल और मिराज 2000, रूस के सुखोई 30 और मिग-29 और स्वदेशी तेजस जैसे कई आधुनिक विमान हैं। हाल ही में मिग-21 विमानों को वायुसेना से रिटायर किया गया है। आने वाले समय में भारत 600 से अधिक नए लड़ाकू विमानों को शामिल करने की योजना बना रहा है और 5वीं पीढ़ी के आधुनिक लड़ाकू विमान विकसित कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय वायुसेना की ताकत केवल विमान संख्या तक सीमित नहीं है। तकनीकी उन्नयन, प्रशिक्षण, बहु-भूमिकीय ऑपरेशन और रणनीतिक संतुलन इसे चीन जैसी बड़ी सेना से आगे खड़ा करता है।

भारत में बच्चों के खिलाफ यौन अपराध: 2022 तक मामलों में 94% की वृद्धि, लेकिन 90% मामलों में हुई सजा

(जीएनएस)। नई दिल्ली। बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और यह स्थिति मानवता के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चाइल्डलाइट ग्लोबल चाइल्ड सेफ्टी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट 'इंटू द लाइट इंडेक्स 2025' के अनुसार, भारत में प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड अगेंस्ट सेक्शुअल ऑफेंस (POCSO) एक्ट के तहत 2017 से 2022 के बीच दर्ज मामलों में 94 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। 2017 में 33,210 मामले दर्ज हुए थे, जो 2022 में बढ़कर 64,469 हो गए।

रिपोर्ट के अनुसार, यह बढ़ोतरी अपराधों की वास्तविक संख्या का संकेत नहीं बल्कि बेहतर रिपोर्टिंग और जागरूकता का परिणाम भी हो सकती है। हालांकि, सकारात्मक पहलू यह है कि इन मामलों में 90 प्रतिशत से अधिक सजा हुई है, जो मजबूत कानूनी कार्रवाई और प्रभावी निगरानी प्रणाली का प्रमाण है।

रिपोर्ट ने वैश्विक स्तर पर इसे "मानवता की बड़ी त्रासदी" करार दिया है और कहा है कि बच्चों के खिलाफ अपराधों में पारदर्शिता और डेटा की उपलब्धता से त्वरित कार्रवाई संभव हो पाती है। POCSO कानून 2012 में लागू किया गया था ताकि बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा मिल सके। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि भारत, नेपाल और श्रीलंका में हर आठ में से एक बच्चा 18 साल की उम्र से पहले यौन उत्पीड़न या बलात्कार का शिकार होता है। तीनों देशों में लगभग 5.4 करोड़ बच्चे प्रभावित हैं, जो कुल बाल जनसंख्या का करीब 12.5 प्रतिशत है।

रिपोर्ट में 2024 के आंकड़े भी शामिल हैं। दक्षिण एशिया में चाइल्ड सेक्शुअल एब्यूज मटेरियल (CSAM) के अधिकांश मामले भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान से दर्ज किए गए। अकेले भारत में 2024 में 2.25 मिलियन मामले सामने आए।

AI और तकनीक के गलत इस्तेमाल पर रिपोर्ट ने गंभीर चेतावनी दी है। 2023 से 2024 के बीच AI के माध्यम से तैयार CSAM मामलों में 1,325 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बड़े टेक कंपनियों द्वारा एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन जैसे फैसले अपराध का पता लगाना कठिन बना रहे हैं। चाइल्डलाइट के सीईओ पॉल स्टैनफील्ड ने कहा, "हर आंकड़े के पीछे एक बच्चा है, जिसकी सुरक्षा, गरिमा और भविष्य छीना गया है।"

रिपोर्ट ने सभी देशों से बच्चों के यौन शोषण को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल की तरह मानने और इसी तत्परता से इसे रोकने का आह्वान किया है। स्टैनफील्ड ने कहा, "शोषण इसलिए जारी है क्योंकि इसे रोकने की पर्याप्त इच्छाशक्ति नहीं दिखाई गई। बच्चों की सुरक्षा के लिए कार्रवाई का समय अब है।"

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराधों की दर बढ़कर 39.9 प्रति एक लाख बाल जनसंख्या हो गई, जो 2022 में 36.6 थी। इन अपराधों में सबसे अधिक मामले अपहरण (79,884 — 45%) और POCSO एक्ट के तहत अपराध (67,694 — 38.2%) के रहे।

चौंकाने वाली बात यह है कि अधिकांश अपराधी पीड़ित के परिचित थे। कुल 40,434 मामलों में 39,076 आरोपियों का पीड़ित से व्यक्तिगत संबंध था, जिसमें 3,224 परिवार के सदस्य, 15,146 रिश्तेदार और 20,706 मित्र या परिचित शामिल थे। यह रिपोर्ट न केवल बच्चों की सुरक्षा के लिए चेतावनी है, बल्कि कानून और समाज की जिम्मेदारी को भी सामने रखती है कि ऐसे अपराधों को रोकने और बच्चों को सुरक्षित बनाने के लिए तत्काल और निर्णायक कदम उठाए जाएं।